सम-सामयिक

घटना चक्र

अतिरिक्तांक

www.ssgcp.com
shop.ssgcp.com
ssgcp.in
rkhoj.com
ssghatnachakra
ssgc.gs.qa
Ssgcpssgcp
SamsamyikGhatna

2020-21

आर्थिकी

भारत एवं विश्व

- महत्वपूर्ण आर्थिक घटनाक्रम
- प्रमुख योजनाएं
- राष्ट्रीय आय
- कृषि उत्पादन
- उद्योग क्षेत्र
- परिवहन क्षेत्र
- वैदेशिक क्षेत्र
- पर्यटन क्षेत्र
- बैंकिंग क्षेत्र
- वैश्विक सूचकांक
- वित्त आयोग
- वस्तु एवं सेवा कर (GST)
- बागवानी फसलें
- 20वीं पशुधन गणना रिपोर्ट
- वन स्थिति रिपोर्ट
- आर्थिक समीक्षा
- पशुधन एवं मत्स्यपालन
- खनिज उत्पादन
- बिहार बजट एवं आर्थिक समीक्षा
- ऊर्जा क्षेत्र
- केंद्रीय बजट
- उत्तर प्रदेश बजट
- कृषि संगणना 2015-16
- भारत में गरीबी की स्थिति
- सेरीकल्चर
- विश्व विकास संकेतक
- नगरीकरण (भारत एवं विश्व)
- राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र

VISIT…

महत्वपूर्ण आर्थिक घटनाक्रम

- 15वें वित्त आयोग का गठन किया गया था **- 27 नवंबर, 2017 को**
- 15वें वित्त आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है **- एन.के. सिंह को**
- 15वें वित्त आयोग की सिफारिशों में संघीय करों में राज्यों का हिस्सा है **- 41 प्रतिशत (14वें में 42%)**
- 1 फरवरी, 2020 को संसद में प्रस्तुत 15वें वित्त आयोग की प्रथम रिपोर्ट में किस वर्ष के लिए अनुशंसाएं हैं **- वित्तीय वर्ष 2020-21**
- 15वें वित्त आयोग के अनुसार, राज्यों की हिस्सेदारी में हो रही कटौती (1%) की किस राज्य के हिस्से के लगभग बराबर है **- जम्मू-कश्मीर (0.85%)**
- 15वें वित्त आयोग के अनुसार, वित्त वर्ष 2018-19 में राज्य सरकारों और केंद्र सरकार द्वारा प्राप्त कर राजस्व जीडीपी के कितने प्रतिशत है **- 17.5 प्रतिशत**
- 15वें वित्त आयोग ने वित्तीय वर्ष 2020-21 के लिए स्थानीय निकायों को अनुदान के रूप में 90,000 करोड़ रुपये देने की सिफारिश की है, जो अनुमानित विभाजन योग्य राजस्व (राज्यों का हिस्सा) के कितने प्रतिशत के बराबर है **- 4.31 प्रतिशत के**
- 15वें वित्त आयोग को अपनी अंतिम रिपोर्ट कब तक प्रस्तुत करना है **- 30 अक्टूबर, 2020 (2021-2026 की अनुशंसाएं)**
- केंद्रीय बजट, 2020-21 में राजकोषीय घाटा अनुमानित है **- जीडीपी का 3.5 प्रतिशत**
- बजट अनुमान, 2020-21 में राजस्व घाटा अनुमानित है **- जीडीपी का 2.7 प्रतिशत**
- बजट अनुमान, 2020-21 में प्राथमिक एवं प्रभावी राजस्व घाटा अनुमानित है **- क्रमशः जीडीपी का 0.4 एवं 1.8 प्रतिशत**
- बजट अनुमान, 2020-21 में आय प्राप्ति के सबसे बड़े स्रोत हैं **- क्रमशः उधार और अन्य देयताएं (20%) निगम कर (18%), वस्तु और सेवा कर (18%), आयकर (17%), कर भिन्न राजस्व (10%)**
- बजट अनुमान, 2020-21 में व्यय के सबसे बड़े घटक हैं **- क्रमशः करों और शुल्कों में राज्यों का हिस्सा (20%), ब्याज अदायगी (18%), केंद्रीय क्षेत्र की योजनाएं (13%), वित्त आयोग और अन्य अंतरण (10%)**
- बजट अनुमान, 2020-21 में कुल सब्सिडी व्यय प्रस्तावित है **- 262108.76 करोड़ रुपये (सकल व्यय का लगभग 8.62%)**
- कुल सब्सिडी का सबसे अधिक व्यय होता है **- खाद्य मद (44.1%) में**
- बजट अनुमान, 2020-21 के सकल बजटीय व्यय में ब्याज अदायगी का हिस्सा है **- 18 प्रतिशत (708203 करोड़ रुपये जो अनुमानित जीडीपी का 3.15 प्रतिशत है)**
- बजट अनुमान, 2020-21 में कर-जीडीपी अनुपात अनुमानित है **- 10.77 प्रतिशत**
- केंद्रीय बजट, 2020-21 में प्रत्यक्ष कर - जीडीपी अनुपात एवं अप्रत्यक्ष कर-जीडीपी अनुपात है- **क्रमशः 5.9 प्रतिशत एवं 4.9 प्रतिशत**
- केंद्रीय बजट, 2020-21 में सबसे अधिक व्यय किस योजना पर किया जा रहा है **- प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (75000 करोड़ रुपये)**
- केंद्रीय बजट, 2020-21 में बजट के तीन प्रमुख विषय (घटक) क्या हैं? **- आकांक्षी भारत, सभी के लिए आर्थिक विकास एवं जिम्मेदार समाज**
- 1 फरवरी, 2020 को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा वित्त वर्ष 2020-21 हेतु कुल कितने करोड़ रुपये का बजट प्रस्तुत किया गया **- 3042230 करोड़ रुपये का**
- बजट अनुमान 2020-21 के अनुसार, कुल प्राप्तियों में राजस्व एवं पूंजीगत प्राप्तियों का अंश क्रमशः कितने प्रतिशत है **- क्रमशः 66.43 प्रतिशत एवं 33.57 प्रतिशत**
- बजट अनुमान 2020-21 के अनुसार, कुल व्यय में से राजस्व एवं पूंजी खाते पर क्रमशः कितने प्रतिशत व्यय अनुमानित है **- क्रमशः 86.46 प्रतिशत एवं 13.54 प्रतिशत**
- वर्ष 2025 तक दुग्ध प्रसंस्करण क्षमता कितने मिलियन टन करने का लक्ष्य है **- 108 मिलियन टन**
- किस वर्ष तक भारत के पास विश्व की कार्यशील आयु की सबसे बड़ी आबादी होगी **- वर्ष 2030 तक**
- बजट 2020-21 में शिक्षा क्षेत्र तथा कौशल विकास हेतु क्रमशः कितने करोड़ रुपये का बजट प्रस्तावित है **- क्रमशः 99300 करोड़ रुपये तथा 3000 करोड़ रुपये**
- राज्यों के सहयोग से पीपीपी (Public Private Partnership) मॉडल में कितने शहरों को स्मार्ट बनाने की योजना है **- पांच नए शहरों को**
- उच्चतर निर्यात ऋण हासिल करने हेतु किस नई योजना का शुभारंभ किया जा रहा है **- निर्विक (NIRVIK) योजना**
- केंद्र सरकार द्वारा अगले पांच वर्षों में बुनियादी ढांचे पर निवेश हेतु प्रारंभ की गई 'राष्ट्रीय अवसंरचना पाइपलाइन' हेतु कितने करोड़ निवेश किए जाएंगे **- 103 लाख करोड़ रुपये**
- बजट अनुमान, 2020-21 के अनुसार, कुल कितने किलोमीटर लंबाई की रेल लाइनों के विद्युतीकरण का लक्ष्य रखा गया है **- 27000 किलोमीटर**
- वर्ष 2020-21 में परिवहन अवसंरचना हेतु कुल कितने करोड़ रुपये का प्रस्ताव रखा गया है **- 1.70 लाख करोड़**
- वर्ष 2020-21 हेतु विद्युत और नवीकरणीय ऊर्जा हेतु लगभग कितने करोड़ रुपये देने का प्रस्ताव है **- 22000 करोड़ रुपये**
- स्थानिक संग्रहालय सहित प्रतिमान स्थलों के रूप में पांच पुरातत्व स्थलों का विकास किया गया जाएगा। वे पांचों पुरातत्व स्थल हैं **- राखीगढ़ी (हरियाणा), हस्तिनापुर (उत्तर प्रदेश), शिवसागर (असम), धौलावीरा (गुजरात) एवं अदिचनल्लूर (तमिलनाडु)**
- कोलकाता में भारतीय संग्रहालय का पुनरोद्धार करते हुए मुद्राशास्त्र और व्यापार पर एक संग्रहालय स्थापित किया जाएगा। **-पुराना टकसाल भवन (कोलकाता) में**
- बजट 2020-21 में संस्कृति मंत्रालय के तत्वावधान में कौन-सा संस्थान स्थापित किया जाएगा **- राष्ट्रीय विरासत और संरक्षण संस्थान**
- बजट 2020-21 में किन पांच वस्तुओं को राज्य के आभूषण के रूप में संदर्भित किया गया है **- बीमारी से मुक्ति, धन, उत्पादन, खुशहाली और सुरक्षा**
- बजट अनुमान 2020-21 में जम्मू और कश्मीर तथा लद्दाख के समग्र विकास हेतु क्रमशः कितनी राशि आवंटित की गई है **- क्रमशः 30757 करोड़ रुपये तथा 5958 करोड़ रुपये**
- बैंक में प्रत्येक जमाकर्ता के लिए जमा राशि का बीमा दायरा जो वर्तमान में 1 लाख रुपये था उसे बढ़ाकर प्रति जमाकर्ता कितना किए जाने की अनुमति प्रदान की गई है **- 5 लाख रुपये**
- आर्थिक समीक्षा 2019-20 के अनुसार, वैश्विक उत्पादन वृद्धि दर वर्ष 2018 और 2019 के लिए कितनी थी **- क्रमशः 3.6 प्रतिशत एवं 2.9 प्रतिशत (अनुमानित)**
- आर्थिक समीक्षा 2019-20 के अनुसार, भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर वर्ष 2019-20 में कितनी थी- **5 प्रतिशत (प्रथम अग्रिम अनुमान)**

➡ वर्ष 2018-19 एवं 2019-20 में भारतीय अर्थव्यवस्था का जीवीए (GVA) वृद्धि दर अनुमानित है - **क्रमशः 6.6 प्रतिशत (अनंतिम अनुमान) एवं 4.9 प्रतिशत (प्रथम अग्रिम अनुमान)**

➡ आर्थिक समीक्षा, 2019-20 के अनुसार, शीर्ष प्रति व्यक्ति आय वाले राज्य वर्ष 2017-18 में हैं- **क्रमशः गोवा (422149 रुपये), सिक्किम (317134 रुपये) एवं हरियाणा (203340)**

➡ आर्थिक समीक्षा, 2019-20 के अनुसार, वर्ष 2019 में भारतीय अर्थव्यवस्था का जीडीपी के संदर्भ में विश्व में कौन-सा स्थान है- **पांचवां**

➡ भारतीय अर्थव्यवस्था को कब तक 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य है **- 2025 तक**

➡ आर्थिक समीक्षा, 2019-20 के अनुसार, वर्ष 2018-19 में कितने मिलियन टन का खाद्यान्न उत्पादन हुआ **- 285 मिलियन टन (चतुर्थ अग्रिम अनुमान)**

➡ आर्थिक समीक्षा, 2019-20 के अनुसार, वर्ष 2018-19 में खाद्यान्न उत्पादकता कितने किलोग्राम/हेक्टेयर थी **- 2299 किग्रा./हे.**

➡ 10 जनवरी, 2020 की स्थिति के अनुसार, भारत का विदेशी मुद्रा भंडार था **- 461.2 बिलियन डॉलर**

➡ आर्थिक समीक्षा, 2019-20 के अनुसार, भारतीय रेलवे एकल प्रबंधन व्यवस्था के तहत 68000 किमी. से अधिक रेलमार्ग के साथ विश्व में रेल नेटवर्क के क्रम में किस स्थान पर है **- तीसरा सबसे बड़ा**

➡ दुग्ध उत्पादन के मामले में भारत विश्व में किस स्थान पर है **- प्रथम (187.7 मिलियन टन 2018-19 में)**

➡ आर्थिक समीक्षा, 2019-20 के अनुसार, देश में प्रति व्यक्ति दुग्ध उपलब्धता है- **394 ग्राम/व्यक्ति**

➡ वैश्विक स्तर पर जापान को पछाड़ते हुए 6 प्रतिशत वैश्विक हिस्सेदारी के साथ 'कच्चे इस्पात' के उत्पादन में भारत विश्व में किस स्थान पर है **- द्वितीय (प्रथम चीन)**

➡ आर्थिक समीक्षा, 2019-20 के अनुसार, सेवा क्षेत्र में वृद्धि दर 2018-19 के 7.5 प्रतिशत से कम होकर 2019-20 में कितने प्रतिशत पर आ गई है- **6.9 प्रतिशत (प्रथम अग्रिम अनुमान)**

➡ आर्थिक समीक्षा, 2019-20 के अनुसार, वर्ष 2018 में वाणिज्यिक सेवाओं के निर्यात में भारत का स्थान विश्व में कौन-सा है - **8वां**

➡ सितंबर, 2019 तक के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2019 (अनं.) में भारत में प्रति व्यक्ति निवल दाल उपलब्धता है **- 47.9 ग्राम/दिन** (17.5 किग्रा/वर्ष)

➡ वर्ष 2019-20 (अप्रैल-सितंबर) में मूल्य के हिसाब से निर्यात अंश में 13.9 प्रतिशत हिस्से के साथ सबसे बड़ी वस्तु है **- कच्चा तेल एवं पेट्रोलियम उत्पाद (कोयला सहित)**

➡ वर्ष 2019-20 (अप्रैल-सितंबर) के आयात अंश में सर्वाधिक हिस्सा है **- पेट्रोल, तेल और स्नेहक (26.4%)**

➡ वर्ष 2019-20 में भारत के निर्यात में (मूल्य के अर्थ में) सर्वाधिक योगदान देने वाले देश हैं- **क्रमशः संयुक्त राज्य अमेरिका (16.9%), संयुक्त अरब अमीरात (9.3%), चीन (5.5%), हांगकांग (3.7%) एवं सिंगापुर (3.1%)**

➡ वर्ष 2019-20 में भारत के आयातों में कुल आयातित मूल्य के हिसाब से शीर्ष देश हैं **- क्रमशः चीन (14.5%), संयुक्त राज्य अमेरिका (7.8%), संयुक्त अरब अमीरात (6.0%), सऊदी अरब (5.6%) एवं इराक (4.7%)**

➡ वर्ष 2019 में भारतीय अर्थव्यवस्था के विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने का अनुमान है। इससे बड़ी चार अर्थव्यवस्थाएं कौन-कौन-सी हैं **- क्रमशः यू.एस.एस., चीन, जापान तथा जर्मनी**

➡ दिसंबर, 2019 में जारी एशियन डेवलपमेंट आउटलुक सप्लीमेंट, 2019 के अनुसार, वर्ष 2019 एवं 2020 में भारत की विकास दर कितने प्रतिशत अनुमानित है **- क्रमशः 5.1 प्रतिशत एवं 6.5 प्रतिशत**

➡ जनवरी, 2020 में विश्व बैंक द्वारा जारी 'ग्लोबल इकोनॉमिक प्रॉस्पेक्टस' के अनुसार, वर्ष 2019, 2020, 2021 एवं 2022 में भारत की जीडीपी वृद्धि दर कितने प्रतिशत अनुमानित एवं पूर्वानुमानित है **- क्रमशः 5 प्रतिशत, 5.8 प्रतिशत, 6.1 प्रतिशत एवं 6.1 प्रतिशत**

➡ 10 जनवरी, 2020 को 'भारतीय रिजर्व बैंक' ने वित्तीय समावेशन के लिए राष्ट्रीय कार्यनीति जारी की है। इस कार्यनीति में किन वर्षों का उल्लेख है **- वर्ष 2019 से 2024**

➡ भारत वन स्थिति रिपोर्ट - 2019 अपनी शृंखला के किस क्रम की रिपोर्ट है **- 16वीं**
(नोट - भारत वन स्थिति रिपोर्ट दो वर्ष पर देहारादून स्थित भारतीय वन सर्वेक्षण विभाग द्वारा जारी की जाती है)

➡ ISFR- 2019 के अनुसार, देश में कुल वनावरण है - **71.22 मिलियन हेक्टेयर (712,249 वर्ग किमी.), कुल भौगोलिक क्षेत्र का 21.67 प्रतिशत**

➡ ISFR - 2019 के अनुसार, देश में कुल वृक्षावरण है **- 9.50 मिलियन हेक्टेयर (95,027 वर्ग किमी.), कुल भौगोलिक क्षेत्र का 2.89 प्रतिशत**

➡ ISFR - 2019 के अनुसार कुल वनावरण एवं वृक्षावरण है **- 80.73 मिलियन हेक्टयर (807276 वर्ग किमी.), कुल भौगोलिक क्षेत्र का 24.56 प्रतिशत**

➡ ISFR - 2017 की तुलना में ISFR - 2019 में कितने वर्ग किमी. वन क्षेत्र में वृद्धि हुई है **- 3976 वर्ग किमी.**

➡ ISFR - 2017 की तुलना में ISFR - 2019 में कितने प्रतिशत वन क्षेत्र की वृद्धि हुई है **- 0.56 प्रतिशत**

➡ ISFR - 2017 की तुलना में ISFR - 2019 में पहाड़ी एवं जनजातीय जिलों में वनावरण में कितने वर्ग किमी. की वृद्धि दर्ज की गई है **- क्रमशः 544 वर्ग किमी. एवं 1181 वर्ग किमी.**

➡ ISFR - 2019 के अनुसार, उत्तर-पूर्वी राज्यों में, जो देश के कुल वनावरण में लगभग एक-चौथाई का योगदान करते हैं, ISFR - 2017 की तुलना में कितने वर्ग किमी. के वनावरण की कमी दर्ज की गई है **- 765 वर्ग किमी.**

➡ ISFR - 2017 की तुलना में ISFR - 2019 में देश में मैंग्रोव आवरण में कितने वर्ग किमी. की वृद्धि हुई है **- 54 वर्ग किमी.**

➡ ISFR - 2019 में भारतीय वनों एवं वनों के बाहर के वृक्षों का वृद्धिमान स्टॉक कितने मिलियन घनमीटर आकलित किया गया है **- 5915.76 मिलियन घनमीटर**

➡ ISFR - 2019 में 17 राज्य/संघीय क्षेत्र में उनके भौगोलिक क्षेत्र का 33 प्रतिशत से अधिक भाग वनाच्छदित है, जबकि इनमें से कितने राज्य एवं संघ शासित क्षेत्र ऐसे हैं, जिनके भौगोलिक क्षेत्र का 70 प्रतिशत से अधिक भू-भाग वनाच्छादित है **- 8 राज्य**

➡ योजना आयोग के द्वारा निर्धारित मानदंडों के अनुसार, देश में कुल कितने पहाड़ी जिले हैं- **140 पहाड़ी जिले (16 राज्यों/संघीय क्षेत्र में)** (नोट - योजना आयोग के द्वारा निर्धारित मानदंडों के अनुसार, समुद्र तल से 500 मीटर से अधिक ऊंचाई वाले तालुका पहाड़ी श्रेणी में आते हैं तथा किसी जिले में ऐसे तालुकाओं का कुल क्षेत्रफल जिले के क्षेत्रफल के आधे से अधिक होने पर वह 'पहाड़ी जिला' कहलाता है।)

➡ ISFR - 2019 के अनुसार, देश के पहाड़ी जिलों में कुल वनावरण कितना है **- 284006 वर्ग किमी. (इन जिलों के भौगोलिक क्षेत्रफल का 40.30%)**

➡ भारत सरकार के 'एकीकृत जनजातीय विकास कार्यक्रम' के तहत देश कितने जिलों को 'जनजातीय जिले' की श्रेणी में रखा गया है **- 218 जिले (27 राज्यों/संघीय क्षेत्रों)**

➡ ISFR - 2019 के अनुसार, जनजातीय जिलों में कुल वनावरण कितना है **- 422351 वर्ग किमी. (इन जिलों के भौगोलिक क्षेत्रफल का 37.54%)**

- ISFR - 2019 के अनुसार, राज्यों में क्षेत्रफल की दृष्टि से सर्वाधिक अभिलिखित वन क्षेत्र वाले राज्य हैं- **क्रमशः मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, छत्तीसगढ़ एवं अरुणाचल प्रदेश**
- ISFR - 2019 के अनुसार, राज्यों में क्षेत्रफल की दृष्टि से न्यूनतम अभिलिखित वन क्षेत्र वाले राज्य हैं - **क्रमशः गोवा, हरियाणा, पंजाब, मिजोरम एवं सिक्किम**
- ISFR - 2019 के अनुसार, राज्यों/संघीय क्षेत्रों में भौगोलिक क्षेत्र के प्रतिशत की दृष्टि से सर्वाधिक अभिलिखित वन क्षेत्र वाले राज्य हैं **- क्रमशः अंडमान एवं निकोबार, सिक्किम, मणिपुर, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश एवं अरुणांचल प्रदेश**
- ISFR - 2019 के अनुसार, राज्यों/संघीय क्षेत्रों में भौगोलिक क्षेत्र के प्रतिशत के दृष्टि से न्यूनतम अभिलिखित वन क्षेत्र वाले राज्य हैं **- क्रमशः लक्षद्वीप, पुडुचेरी, हरियाणा, पंजाब एवं दिल्ली/उत्तर प्रदेश**
- ISFR - 2019 में ISFR - 2017 की तुलना में वनावरण में सर्वाधिक वृद्धि वाला राज्य है **- कर्नाटक (1025 वर्ग किमी.)**
- ISFR - 2019 में ISFR - 2017 की तुलना में वनावरण में सर्वाधिक कमी वाला राज्य है **- मणिपुर (- 499 वर्ग किमी.)**
- ISFR - 2019 के अनुसार, क्षेत्रफल की दृष्टि से सर्वाधिक वनावरण वाले राज्य हैं **- क्रमशः मध्य प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, छत्तीसगढ़ ओडिशा एवं महाराष्ट्र**
- ISFR - 2019 के अनुसार 'क्षेत्रफल की दृष्टि' से सर्वाधिक वनावरण वाले संघीय क्षेत्र हैं **- क्रमशः जम्मू एवं कश्मीर, अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह, लद्दाख, दादरा एवं नागर हवेली एवं दिल्ली**
- ISFR - 2019 के अनुसार, सर्वाधिक 'वनावरण प्रतिशतता' वाले राज्य/संघीय क्षेत्र हैं **- क्रमशः, लक्षद्वीप (90.33%), मिजोरम (85.41%), अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह (81.74%), अरुणाचल प्रदेश (79.63%) तथा मेघालय (76.33%)**
- ISFR - 2019 के अनुसार, सर्वाधिक वनावरण प्रतिशतता वाले राज्य हैं **- क्रमशः मिजोरम, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, मणिपुर एवं नगालैंड**
- ISFR - 2019 के अनुसार, न्यूनतम वनावरण क्षेत्र वाले राज्य हैं **- क्रमशः हरियाणा, पंजाब, गोवा, सिक्किम एवं बिहार**
- ISFR - 2019 के अनुसार, न्यूनतम वनावरण प्रतिशतता वाले राज्य हैं **- क्रमशः हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश एवं गुजरात**
- ISFR - 2019 के अनुसार, सर्वाधिक मैंग्रोव आच्छादित राज्य/संघीय क्षेत्र हैं **- क्रमशः पश्चिम बंगाल (2112 वर्ग किमी.), गुजरात (1177 वर्ग किमी.), अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह (616 वर्ग किमी.) एवं आंध्र प्रदेश (404 वर्ग किमी.)**
- ISFR - 2019 के अनुसार, उत्तर प्रदेश में कुल वनावरण कितना है **- 14805.65 वर्ग किमी. (कुल भौगोलिक क्षेत्र का 6.15%)**
- ISFR - 2019 के अनुसार, उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक वनावरण क्षेत्र वाले जिले हैं - **क्रमशः सोनभद्र, लखीमपुर खीरी, एवं मिर्जापुर**
- ISFR - 2019 के अनुसार, उत्तर प्रदेश में न्यूनतम वनावरण क्षेत्र वाले जिले हैं **- क्रमशः संत रविदास नगर, मऊ एवं मैनपुरी**
- जुलाई, 2020 में कृषि पण्यों (Agriculture Commodities) में विकल्प अनुबंधों की शुरुआत करने वाला देश का पहला एक्सचेंज कौन-सा है **- NCDEX**
- जुलाई, 2020 में किस मंत्रालय द्वारा 'निवेश मंजूरी सेल' के स्थापना की घोषणा की गई है **- नागर विमानन मंत्रालय द्वारा**
- 'आवर्ती भुगतान' (Recurring Payment) हेतु 'यूपीआई ऑटो पे' (UPI Auto Pay) सुविधा किसके द्वारा प्रारंभ की गई है **- भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (NPCI) द्वारा**
- जून, 2020 में जारी आंकड़ों के अनुसार, मार्च, 2020 के अंत में भारत के विदेशी ऋण में बहुपक्षीय एवं द्विपक्षीय ऋणों का योगदान कितना है **- क्रमशः 60 बिलियन डॉलर एवं 27.2 बिलियन डॉलर**
- भारतीय रिजर्व बैंक ने सीमांत स्थायी सुविधा (MSF) के तहत बैंकों के 'वर्धित उधार सीमा' को किस तिथि तक लागू रखने का निर्णय लिया है **- 30 सितंबर, 2020 तक**
- गूगल द्वारा अगले 5-7 वर्षों में भारत में कुल 75000 करोड़ रुपये (10 बिलियन डॉलर) का निवेश किस फंड के तहत किया जाएगा **- गूगल फॉर इंडिया डिजिटाइजेशन फंड**
- फोर्ब्स द्वारा जारी विश्व के 100 उच्चतम भुगतान पाने वाले एथलीटों की सूची, 2020 में शीर्ष स्थान पर हैं- **रोजर फेडरर (स्विट्जरलैंड)**
- 'आत्मनिर्भर भारत अभियान' के अंतर्गत कितने क्षेत्रों में ढांचागत सुधार हेतु प्रमुख घोषणाएं की गई हैं **- 8 क्षेत्रों (16 मई, 2000)**
- 'आत्मनिर्भर भारत अभियान' के अंतर्गत मनरेगा के लिए आवंटन में कितने हजार करोड़ रुपये की वृद्धि हुई है **- 40 हजार करोड़ रुपये**
- स्वचलित मार्ग के अंतर्गत रक्षा विनिर्माण में एफडीआई की सीमा 49 प्रतिशत से बढ़ाकर कितने प्रतिशत करने का निर्णय लिया गया है **- 74 प्रतिशत**
- वर्ष 2019-20 के लिए प्रमुख फसलों के उत्पादन के तीसरे अग्रिम अनुमान के अनुसार, देश में कुल खाद्यान्न उत्पादन कितने मिलियन टन तक होने का अनुमान है **- 295.67 मिलियन टन**
- फोर्ब्स द्वारा जारी भारत के 100 सबसे अमीर व्यक्तियों की सूची में शीर्ष स्थान प्राप्त हुआ है **- मुकेश अंबानी को**
- अप्रैल, 2020 में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा देश में वर्ष 2020-21 में कितने करोड़ टन अनाज उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है **- 29 करोड़ 83 लाख टन**
- जून, 2020 में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) द्वारा जारी 'वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक, 2020 के अनुसार, वर्ष 2020 में भारत की वृद्धि दर कितने प्रतिशत आकलित की गई है **- 4.5 प्रतिशत [वैश्विक विकास दर - 4.9%]**
- अप्रैल, 2020 में विश्व बैंक के अनुसार, कोविड-19 महामारी से प्रभावित भारत की जीडीपी वित्त वर्ष 2020-21 में कितने प्रतिशत रहने का अनुमान है **- 1.5 से 2.8 प्रतिशत**
- अप्रैल, 2020 में एशियन डेवलपमेंट बैंक (ADB) ने कोविड-19 महामारी के विरुद्ध लड़ने के लिए भारत को कितने बिलियन डॉलर का सहयोग पैकेज देने का आश्वासन दिया है **- 2.2 बिलियन डॉलर**
- संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट 'एशिया और प्रशांत का आर्थिक और सामाजिक सर्वेक्षण 2020 : संवहनीय अर्थव्यवस्थाओं की ओर' के अनुसार, वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान भारत की वृद्धि दर कितने प्रतिशत रहने का अनुमान है **- 4.8 प्रतिशत**
- अरबपतियों की 34वीं वार्षिक फोर्ब्स सूची, 2020 के अनुसार, इस वर्ष की सूची में विश्व के सर्वाधिक धनी व्यक्ति का खिताब किसे प्राप्त हुआ- **जेफ बेजोस (अमेजन के प्रमुख)**
- एशियाई विकास बैंक ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट एशियाई विकास परिदृश्य, 2020 में वर्ष 2020 में भारत की जीडीपी वृद्धि दर कितने प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है **- 4 प्रतिशत**
- 30 मार्च, 2020 को एशियाई विकास बैंक (ADB) ने भारतीय ढांचागत क्षेत्र में कितने करोड़ डॉलर निवेश की घोषणा की है **- 10 करोड़ डॉलर (100 मिलियन डॉलर)**
- जनवरी, 2020 में जारी वर्ष 2019-20 के राष्ट्रीय आय के प्रथम अग्रिम अनुमानों के अनुसार, स्थिर एवं वर्तमान कीमतों पर सर्वाधिक

वृद्धि किन क्षेत्रों में दर्ज की गई है
- लोक प्रशासन, रक्षा एवं अन्य सेवाओं में क्रमशः 9.1 एवं 14.6 प्रतिशत

मानव विकास सूचकांक में भारत को रखा गया है **- मध्यम मानव विकास के वर्ग में**

ऊर्जा दक्ष आवास कार्यक्रम 'इंडो-जर्मन डेवलपमेंट को-ऑपरेशन' का हिस्सा है, जो निर्देशित होगा
- 2030 सतत विकास एजेंडा द्वारा

दिसंबर, 2019 में बाजार पूंजीकरण के संदर्भ में 100 बिलियन डॉलर के स्तर को प्राप्त करने वाली भारत की तीसरी कंपनी है
- HDFC बैंक (प्रथम रिलायंस एवं द्वितीय टीसीएस)

किस राज्य में पहले विशेष आर्थिक क्षेत्र (SEZ) की स्थापना के संबंध में अधिसूचना जारी की गई- **त्रिपुरा में (दिसंबर, 2019)**

भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर द्वारा दृष्टिबाधित लोगों की सहायता हेतु कौन-सा ऐप लांच किया गया है
- मणि (MANI : Mobile Aided Note Idetifier) ऐप

दिसंबर, 2019 में रिजर्व बैंक की एक अधिसूचना के अनुसार, किस बैंक के माध्यम से बांग्लादेश को रक्षा खरीद हेतु 500 मिलियन डॉलर ऋण दिया जाएगा
- एक्जिम बैंक (EXIM Bank)

भारत का पहला कॉर्पोरेट ब्रांड ई.टी.एफ कौन-सा है **- भारत बॉण्ड एक्सचेंज ट्रेडेट फंड**

इंडियन रेलवे इंस्टीट्यूट ऑफ फाइनेंसियल मैनेजमेंट (IRIFM) की स्थापना कहां की गई है **- हैदराबाद में**

केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड की 'दस्तावेज पहचान संख्या' (DIN) किस तिथि से लागू की गई **- 8 नवंबर, 2019**

फार्च्यून पत्रिका द्वारा जारी '20 सर्वश्रेष्ठ सीईओ' की सूची में शीर्ष पर कौन हैं
- सत्या नडेला (माइक्रोसॉफ्ट)

नकली सामान की बिक्री पर रोक लगाने हेतु एक पहल 'प्रोजेक्ट जीरो' की शुरुआत किसने की है **- अमेजन (Amazon)**

'39वां भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला' की मुख्य थीम क्या थी
- व्यापार करने में सहजता (आयोजन 14-27 नवंबर, 2019 नई दिल्ली)

कोयले की आपूर्ति में पादर्शिता और बेहतर समन्वय हेतु किस पोर्टल की शुरुआत की गई है- **प्रकाश (PRAKASH : Power Rail Koyla Availablity through Supply Harmony) पोर्टल**

➡ 'ब्रॉण्डस टॉप 75' मोस्ट वैल्युएबल इंडियन ब्राण्ड्स रैंकिंग में शीर्ष पर कौन-सी कंपनी है
- HDFC बैंक (लगातार 6 वर्षों से शीर्ष पर)

➡ भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) द्वारा जारी ड्राफ्ट दिशा-निर्देश के अनुसार, लघु वित्त बैंक खोलने हेतु कम-से-कम कितने करोड़ रुपये की पूंजी होनी चाहिए - **200 करोड़ रुपये**

➡ रिजर्व बैंक ने उपभोक्ता ऋण के मामले में बैंकों के लिए आवश्यक जोखिम भार को 125 प्रतिशत से घटाकर कितने प्रतिशत कर दिया है **- 100 प्रतिशत**

➡ वर्ष 2021 में होने वाली जनगणना की विशेषता क्या है
- पहली बार डिजिटल और पेपर रहित जनगणना

➡ भारतीय रिजर्व बैंक ने छोटे निर्यातकों के लिए ऋण स्वीकृत सीमा 25 करोड़ रुपये से बढ़ाकर कितने करोड़ रुपये कर दी है
- 40 करोड़ रुपये

➡ हुरून इंडिया रिच लिस्ट, 2019 की सूची में शीर्ष पर कौन भारतीय उद्योगपति हैं
- मुकेश अंबानी (लगातार 8वें वर्ष)

➡ कनाडा की थिंक टैंक फ्रेजर इंस्टीट्यूट द्वारा जारी 'विश्व आर्थिक स्वतंत्रता रिपोर्ट, 2019 के अनुसार, शीर्ष देश कौन है
- हांगकांग (भारत 79वां स्थान)

➡ 'एशियन इन्फ्रास्ट्रक्चर एंड इन्वेस्टमेंट बैंक (AIIB) से स्थानीय मुद्रा में वित्त पोषण का पहला ऋण प्राप्तकर्ता देश कौन होगा - **भारत**

➡ 'स्टेट ऑफ द वर्ल्ड पॉपुलेशन, 2020 रिपोर्ट का मुख्य विषय क्या है **- मेरी इच्छा के विरुद्ध (Against My Will)**

➡ स्टेट ऑफ द वर्ल्ड पापुलेशन, 2020 रिपोर्ट किसके द्वारा जारी की जाती है
- संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (United Nations Population Fund)

➡ संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष के अनुसार, जुलाई, 2020 तक विश्व की जनसंख्या बढ़कर कितनी हो गई है **- 7795 मिलियन**

➡ संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष के अनुसार, वर्ष 2015-2020 के मध्य वैश्विक आबादी बढ़ी है **- 1.1 प्रतिशत की औसत वार्षिक दर से**

➡ संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष के अनुसार, जन्म के समय जीवन प्रत्याशा वैश्विक स्तर पर वर्ष 2019 में 72 वर्ष थी, जो बढ़कर 2020 में हो गई **- 73 वर्ष**

➡ संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष के अनुसार, भारत की जनसंख्या वर्ष 2019 में 1368.7 मिलियन (लगभग 1.3 अरब) थी, जो बढ़कर 2020 में हो गई **- 1380 मिलियन**

➡ संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष के अनुसार, वर्ष 2015-2020 के मध्य भारत की जनसंख्या में वृद्धि हुई है **- 1 प्रतिशत की वार्षिक दर से**

➡ संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष के अनुसार, भारत में जन्म के समय जीवन प्रत्याशा वर्ष 2019 में 69 वर्ष थी,जो बढ़कर वर्ष 2020 में हो गई है **- 70 वर्ष**

➡ संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष के अनुसार, वर्ष 2020 में भारत में प्रजनन दर है
- 2.2 प्रति महिला

➡ संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष के अनुसार, वर्ष 2020 में वैश्विक प्रजनन दर है
- 2.4 प्रति महिला

➡ मई, 2020 में जारी 'नमूना पंजीकरण प्रणाली बुलेटिन, 2020' (SRS Bulletin, 2020) के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2018 में सर्वाधिक शिशु मृत्यु दर (प्रति हजार में) वाले शीर्ष 5 राज्य हैं **- क्रमशः मध्य प्रदेश (48), उत्तर प्रदेश (43), असम/छत्तीसगढ़ (41), ओडिशा (40)**

➡ SRS बुलेटिन, 2020 के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2018 में न्यूनतम शिशु मृत्यु दर (प्रति हजार में) वाले 5 राज्य/केंद्रशासित प्रदेश हैं **- क्रमशः नगालैंड, (4), मिजोरम (5), गोवा/सिक्किम/केरल (7)**

➡ SRS बुलेटिन, 2020 के अनुसार, वर्ष 2018 में शीर्ष जन्म दर वाले 5 राज्य/केंद्रशासित प्रदेश हैं **- बिहार (26.2), उत्तर प्रदेश (25.6), मध्य प्रदेश (24.6), राजस्थान (24.0), झारखंड (22.6)**

➡ SRS बुलेटिन, 2020 के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2018 में न्यूनतम जन्म दर वाले 5 राज्य/केंद्रशासित प्रदेश हैं **- अंडमान-निकोबार द्वीप समूह (11.2), गोवा, (12.4), नगालैंड (12.9), त्रिपुरा (13), चंडीगढ़ (13.3)**

➡ SRS बुलेटिन, 2020 के अनुसार, वर्ष 2018 में शीर्ष मृत्यु दर (प्रति हजार में) वाले 5 राज्य/केंद्रशासित प्रदेश हैं **- छत्तीसगढ़ (8.0), ओडिशा (7.3), पुडुचेरी/हिमाचल प्रदेश/केरल (6.9)**

➡ SRS बुलेटिन, 2020 के अनुसार, वर्ष 2018 में न्यूनतम मृत्यु दर (प्रति हजार में) वाले 5 राज्य/केंद्रशासित प्रदेश हैं **- दिल्ली (3.3), नगालैंड (3.5), दादर-नागर हवेली (3.8), मिजोरम (4.1), चंडीगढ़ (4.3)**

➡ राष्ट्रीय स्तर पर शिशु मृत्यु दर (IMR) वर्ष 2017 में 33 की तुलना में 1 अंक की गिरावट के साथ वर्ष 2018 में हो गई **- 32 (SRS बुलेटिन, 2020)**

धानमंत्री किसान सम्मान निधि

भ– इस योजना की औपचारिक शुरुआत ी नरेंद्र मोदी द्वारा 24 फरवरी, 2019 रखपुर, उत्तर प्रदेश से की गई।

श्य– लघु एव सीमांत कृषकों (SMFs) को एवं अन्य आवश्यकताओं हेतु एक सुनिश्चित ाय उपलब्ध कराने के साथ-साथ फसल मौसम से पूर्व किसानों की आकस्मिक कताओं को भी पूरा करने में मदद करना।

धान– योजना के तहत पूर्व में लाभार्थी परिवार के पास राज्य तथा केंद्रशासित क भू-अभिलेखों में सम्मिलित रूप से अधिकतम टेयर तक की कृषि योग्य भूमि का स्वामित्व ाहिए था।

किन 31 मई, 2019 को केंद्रीय मंत्रिमंडल लिए गए निर्णय के तहत किसानों के लिए तम दो हेक्टेयर तक की कृषि योग्य भूमि के त्व की बाध्यता को समाप्त कर दिया गया है। ससे पीएम-किसान योजना के दायरे में अब लगभग 14.5 करोड़ लाभार्थी शामिल हो ।।

ात्र परिवारों (SMFs) को प्रति वर्ष 6000 की आर्थिक सहायता, आधार से जुड़े बैंक में प्रत्यक्षतः चार-चार माह की तीन किश्तों क किश्त 2000 रुपये) में उपलब्ध कराई ाी।

यह योजना 1 दिसंबर, 2018 से लागू मानी गी तथा पात्र कृषक परिवारों को यह लाभ तिथि के पश्चात की अवधि से देय होगा।

प्रधानमंत्री जी-वन योजना

प्रारंभ– 28 फरवरी, 2019 को प्रधानमंत्री द्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की आर्थिक ालों की समिति ने प्रधानमंत्री जी-वन (Ji-VAN जैव ईंधन वातावरण अनुकूल फसल अवशेष ारण) योजना को मंजूरी प्रदान किया।

वित्तीय प्रावधान– 'जी-वन' योजना हेतु वर्ष 018-19 से वर्ष 2023-24 की अवधि के दौरान ल 1969.50 करोड़ रुपये के वित्तीय परिव्यय को जूरी प्रदान की गई है।

योजना के अंतर्गत वाणिज्यिक स्तर पर 12 रियोजनाओं को और प्रदर्शन स्तर पर दूसरी पीढ़ी की 10 एथेनॉल परियोजनाओं को दो चरणों में वित्तीय सहायता दी जाएगी।

❑ प्रधानमंत्री किसान पेंशन योजना

➡ प्रारंभ– 31 मई, 2019 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वितीय कार्यकाल के प्रथम मंत्रिमंडलीय बैठक के दौरान 'प्रधानमंत्री किसान पेंशन योजना' को स्वीकृति प्रदान की गई।

➡ प्रावधान– किसानों को इस योजना में शामिल होने की आयु 18- 40 वर्ष निर्धारित है।

➡ 60 वर्ष की आयु प्राप्त करने पर 3000 रुपये की न्यूनतम निर्धारित पेंशन दिए जाने का प्रावधान है।

➡ इस योजना के पात्र किसान द्वारा किए गए अंशदान के बराबर राशि ही केंद्र सरकार पेंशन निधि में जमा कराएगी।

❑ शिक्षा वाणी ऐप

➡ प्रारंभ– केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE) द्वारा नया पॉडकास्ट ऐप 'शिक्षा वाणी' को मार्च, 2019 में लांच किया गया।

➡ उद्देश्य– इसके माध्यम से छात्रों और अभिभावकों को महत्वपूर्ण सूचनाएं सही समय पर प्राप्त हो सकेंगी।

❑ 'संगम' परियोजना

➡ प्रारंभ– भारत में अधिकारियों और कार्यकर्ताओं को स्वच्छ भारत ई-लर्निंग पोर्टल पर प्रशिक्षित करने के लिए माइक्रोसॉफ्ट और भारत के आवासन व शहरी कार्य मंत्रालय की संयुक्त भागीदारी में 'संगम' परियोजना का प्रारंभ मार्च, 2019 में हुआ।

➡ प्रावधान– 'संगम' वास्तव में एक 'क्लाउड-होस्टेड', मोबाइल फर्स्ट कम्युनिटी लर्निंग प्लेटफॉर्म है।

➡ जिसके माध्यम से 'स्वच्छ भारत ई-लर्निंग पोर्टल पर नगरपालिका के अधिकारियों को प्रशिक्षित किया जाएगा।

❑ प्रवासी तीर्थ दर्शन योजना

➡ प्रारंभ– 22 जनवरी, 2019 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 15वें प्रवासी भारतीय दिवस के उद्घाटन के दौरान 'प्रवासी तीर्थ दर्शन योजना' को तैयार किए जाने संबंधी उद्घोषणा की गई।

➡ प्रावधान– योजना के तहत चयनित भारतीय प्रवासियों के एक समूह को केंद्र सरकार वर्ष में 2 बार भारत में धार्मिक स्थानों की यात्रा कराएगी।

➡ चयन में मॉरीशस, फिजी, सूरीनाम, गुयाना, त्रिनिदाद एवं टोबैगो और जमैका में रहने वाले गिरमिटिया (भारतीय श्रमिकों के वंशज) लोगों को वरीयता दी जाएगी।

❑ अटल भाषांतर योजना

➡ प्रारंभ– विदेश मंत्रालय द्वारा भाषा विशेषज्ञों को प्रशिक्षण देने हेतु 'अटल भाषांतर योजना' का शुभारंभ दिसंबर, 2018 में किया गया।

➡ प्रावधान– योजना के तहत भाषा विशेषज्ञों को प्रशिक्षित करके हिंदी भाषा में अरबी, चीनी, फ्रांसीसी, जापानी, रूसी एवं स्पेनिश से विलोमतः अनुवाद हेतु भाषा विशिष्ट दुभाषियों का एक समूह तैयार किया जाएगा।

❑ संपन्न योजना

➡ प्रारंभ– 29 दिसंबर, 2018 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा वाराणसी में संपन्न (SAMPANN- The System for Authority and Management of Pension) योजना का शुभारंभ किया गया।

➡ उद्देश्य– यह योजना दूरसंचार विभाग के पेंशनधारकों के लिए अत्यधिक मददगार होगी और पेंशन के समयबद्ध संवितरण में मदद करेगी।

❑ आयुष्मान भारत-राष्ट्रीय स्वास्थ्य संरक्षण योजना

➡ अनुमोदन– केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा 21 मार्च, 2018 को आयुष्मान भारत-राष्ट्रीय स्वास्थ्य संरक्षण योजना को अनुमोदित किया गया।

➡ प्रावधान– योजना के तहत 10.74 करोड़ ग्रामीण एवं शहरी परिवारों (लगभग 50 करोड़ व्यक्तियों) को द्वितीयक एवं तृतीयक स्तरीय चिकित्सा हेतु 5 लाख रुपये वार्षिक तक का स्वास्थ्य बीमा प्रदान किया जाएगा।

➲ इस योजना के तहत वे परिवार, जो अनुसूचित जाति/जनजाति के हों या जिनके परिवार में कोई 16-59 वर्ष की आयु का पुरुष सदस्य न हों या सभी सदस्य दिव्यांग हों या वह परिवार भूमिहीन हो या वह मैला ढोने का कार्य करता हो या बंधुआ मजदूरी से मुक्त हो आदि योजना के पात्र हैं।

➡ यह योजना सभी सूचीबद्ध (सरकारी/निजी) अस्पतालों में प्रभावी रहेगी।

➡ 15 अक्टूबर, 2019 तक 'आयुष्मान भारत योजना' से 50 लाख से अधिक लोगों को मुफ्त इलाज का लाभ मिला है।

➡ यह विश्व का सबसे बड़ा 'सरकारी' वित्त पोषित स्वास्थ्य सेवा कार्यक्रम है।

❑ निर्वाचन बॉण्ड योजना, 2018

➡ **प्रारंभ**— निर्वाचन बॉण्ड योजना, 2018 वित्त मंत्रालय द्वारा 2 फरवरी, 2018 को अधिसूचित की गई।

➡ **पात्रता**— भारत का नागरिक, भारत में निगमित कोई प्रतिष्ठान तथा भारतीय व्यक्तियों का संघ निर्वाचन बॉण्ड खरीदने के पात्र होंगे।

➡ निर्वाचन बॉण्ड को भुनाने हेतु वही राजनीतिक दल पात्र होंगे, जो जन प्रतिनिधि अधिनियम, 1951 की धारा 29 (क) के तहत पंजीकृत हों तथा जिन्हें लोक सभा अथवा विधानसभा के पिछले आम चुनाव में कुल डाले गए मतों का कम-से-कम 1 प्रतिशत मत प्राप्त हुआ हो।

➡ **प्रावधान**— निर्वाचन बॉण्ड 1 हजार, 10 हजार, 1 लाख, 10 लाख तथा 1 करोड़ रुपये के मूल्य वर्ग में जारी किए जाएंगे।

➡ इन बॉण्डों की वैधता उनके निर्गमन की तारीख से 15 दिन तक ही होती है। इस अवधि में यदि इन्हें नहीं भुनाया जाता है, तो यह राशि प्रधानमंत्री राहत कोष में जमा कर दी जाती है।

➡ बॉण्ड पर लेनदार एवं देनदार का नामोल्लेख नहीं होता है, जिससे दोनों की गोपनीयता बनी रहती है।

➡ निर्वाचन बॉण्ड योजना के बिक्री के अब तक 12 चरण पूर्ण हो चुके हैं।

➡ बिक्री के बारहवें चरण के तहत SBI को देशभर में फैली इसकी 29 अधिकृत शाखाओं के माध्यम से 1से 10 अक्टूबर, 2019 तक चुनावी बॉण्ड जारी करने और इनकैश करने के लिए अधिकृत किया गया।

❑ राष्ट्रीय पोषण मिशन

➡ **स्वीकृति**— देश में पोषण के स्तर में सुधार तथा कुपोषण जनित समस्याओं के समाधान हेतु केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा 30 नवंबर, 2017 को राष्ट्रीय पोषण मिशन को स्वीकृति प्रदान की गई।

➡ **लक्ष्य**— राष्ट्रीय पोषण मिशन का लक्ष्य ठिगनेपन, अल्प पोषण तथा जन्म के समय कम वजन के बच्चों में प्रत्येक में 2 प्रतिशत वार्षिक की कमी लाना है।

➡ रक्ताल्पता के संदर्भ में प्रतिवर्ष 3 प्रतिशत की कमी लाने का लक्ष्य रखा गया है।

➡ **प्रावधान**— इस मिशन को चरणबद्ध तरीके से पूरे देश में लागू कराया जाएगा, जिसके तहत वर्ष 2017-18 में 315 जिले, वर्ष 2018-19 में 235 जिले तथा वर्ष 2019-20 में शेष सभी जिलों को शामिल किया जाएगा।

➡ वर्ष 2017-18 से प्रारंभ होकर तीन वर्षों की अवधि हेतु इस मिशन को 9046.17 करोड़ रुपये के बजट का प्रावधान किया गया है।

➡ इस मिशन हेतु आवंटित राशि में 50 प्रतिशत भारत सरकार के बजटीय समर्थन द्वारा, जबकि शेष 50 प्रतिशत आईबीआरडी (IBRD) अथवा अन्य बहुपक्षीय विकास बैंकों से जुटाया जाएगा।

➡ बजटीय समर्थन में केंद्र एवं राज्यों का योगदान सामान्य राज्यों हेतु 60 : 40 के अनुपात में, विशेष राज्यों हेतु 90 : 10 के अनुपात में विभाजित होगा।

➡ बिना विधानमंडल वाले केंद्रशासित प्रदेशों के लिए 100 प्रतिशत सहायता केंद्र द्वारा दी जाएगी।

➡ इस मिशन से 10 करोड़ से अधिक लोगों के लाभान्वित होने का अनुमान है।

➡ भारत में बाल संरक्षण एवं कल्याण से संबंधित सर्वप्रमुख योजना 'समेकित बाल विकास सेवा' है, जिसके तहत 'आंगन बाड़ी सेवा', **'राष्ट्रीय पोषण मिशन'**, 'प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना' 'किशोरियों के लिए स्कीम', 'राष्ट्रीय शिशु गृह स्कीम' और बाल संरक्षण जैसी योजनाएं शामिल हैं।

➡ वर्ष 2018-19 (संशोधित अनुमान) में समेकित बाल विकास सेवा पर 23356.50 करोड़ रुपये व्यय हुए थे, जबकि 31 मार्च, 2019 तक इन सेवाओं पर हुआ वास्तविक व्यय 21640.93 करोड़ रुपये रहा।

➡ राष्ट्रीय पोषण मिशन के तहत वर्ष 2017-18 एवं 2018-19 में 61.92 करोड़ रुपये का व्यय किया गया। यह राशि 'सूचना, शिक्षा और संचार' (IEC), जागरूकता और पोषण अभियान के मद में व्यय की गई।

❑ गंगा ग्राम परियोजना

➡ **प्रारंभ**— गंगा ग्राम परियोजना का शुभारंभ 23 दिसंबर, 2017 को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित 'गंगा ग्राम स्वच्छता सम्मेलन' में किया गया। यह परियोजना 'नमामि गंगे' के अंतर्गत है।

➡ **प्रावधान**— इस परियोजना के तहत गंगा के किनारे स्थित 4470 गांवों का स्वच्छता आधारित एकीकृत विकास किया जाएगा।

➡ जिसमें से 1674 ग्राम पंचायतों में शौचालयों के निर्माण के लिए 829 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं।

➡ इसके तहत ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन, तालाबों एवं जल संसाधनों का पुनरुद्धार, जल संरक्षण परियोजनाएं, जैविक बागवानी एवं चिकित्सकीय पौधों की कृषि को प्रोत्साहन आदि कार्यक्रम संचालित किए जाएंगे।

➡ पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय परियोजना की नोडल एजेंसी है।

❑ समर्थ योजना

➡ **प्रारंभ**—आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति द्वारा 20 दिसंबर, 2017 को कपड़ा क्षेत्र में क्षमता हेतु एक नई योजना को मंजूरी प्रदान की गई थी। इसी के परिपालन में कपड़ा मंत्रालय द्वारा 23 अप्रैल, 2018 को समर्थ योजना का दिशा-निर्देश जारी किया गया।

➡ **प्रावधान**— यह योजना 1300 करोड़ रुपये के परिव्यय से वर्ष 2017-18 से वर्ष 2019-20 तक, तीन वर्षों के लिए है।

➲ इसके तहत 10 लाख लोगों को कपड़ा क्षेत्र से संबंधित प्रशिक्षण प्रदान कराने का लक्ष्य रखा गया है, जिससे वे आजीविका के बेहतर विकल्पों को प्राप्त कर सकें।

➡ अगस्त, 2019 में केंद्रीय कपड़ा मंत्रालय ने समर्थ योजना के तहत 16 राज्य सरकारों के साथ समझौता-ज्ञापन हस्ताक्षरित किए, जिससे 4 लाख लोगों को कौशल प्रदान किया जा सकेगा।

❑ राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम का पुनर्गठन

➡ **स्वीकृति**— 10 नवंबर, 2017 को आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति द्वारा राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम के पुनर्गठन को स्वीकृति प्रदान की गई।

➡ **प्रावधान**– इसे वर्ष 2020 तक जारी रखने का निर्णय लिया गया है।

➡ इन तीन वर्षों (2017-18 से 2019-20) के लिए कुल 23050 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं।

➡ इस कार्यक्रम के अंतर्गत संपूर्ण ग्रामीण जनसंख्या को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा।

❑ संकल्प और स्ट्राइव योजनाएं

➡ **स्वीकृति**–11 अक्टूबर, 2017 को आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति द्वारा 'संकल्प' एवं 'स्ट्राइव' योजनाओं को स्वीकृति प्रदान की गई।

➡ **प्रावधान**– संकल्प एवं स्ट्राइव योजनाएं विश्व बैंक द्वारा समर्थित हैं।

➡ संकल्प 'आजीविका संवर्धन हेतु कौशल अभिग्रहण और ज्ञान जागरूकता' (SANKALP-Skills Acquisition & Knowledge Awareness for Livelihood Promotion) का संक्षिप्त रूप है।

➡ स्ट्राइव 'औद्योगिक मूल्य संवर्धन हेतु कौशल संशक्तीकरण' (STRIVE-Skill Strengthening for Industrial Value Enhancement) का संक्षिप्त रूप है।

➡ दोनों योजनाएं बाजार आवश्यकताओं के अनुरूप कौशल विकास से संबंधित हैं।

❑ दीन दयाल स्पर्श योजना

➡ **शुभारंभ**– दीन दयाल स्पर्श योजना का शुभारंभ 3 नवंबर, 2017 को तत्कालीन दूरसंचार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) मनोज सिन्हा द्वारा किया गया।

➡ **प्रावधान**– डाक टिकटों के प्रति अभिरुचि बढ़ाने तथा इस क्षेत्र में शोध कार्य को प्रोत्साहित करने हेतु यह एक छात्रवृत्ति योजना है।

➡ इसका पूर्णरूप 'डाक टिकटों के प्रति अभिरुचि और शोधकार्य के प्रोत्साहन हेतु छात्रवृत्ति' (SPARSH-Scholarship for Promotion of Aptitude and Research in Stamps as a Hobby) है।

➡ यह कक्षा 6 से 9 तक के विद्यार्थियों के लिए है।

➡ इसके तहत पूरे भारत में 920 छात्रवृत्तियां (500 रु. प्रतिमाह) प्रदान की जाएंगी।

❑ साथी पहल

➡ **प्रारंभ**–साथी (SAATHI-Sustainable and Accelerated Adoption of efficient Textile technologies to Help small Industries) कपड़ा मंत्रालय एवं विद्युत मंत्रालय की एक संयुक्त पहल है।

➡ इस पहल हेतु 24 अक्टूबर, 2017 को समझौता किया गया।

➡ **प्रावधान**– इस पहल के माध्यम से विद्युत मंत्रालय के अधीन 'ऊर्जा दक्षता सेवा लिमिटेड' (EESL) द्वारा थोक मात्रा में ऊर्जा दक्ष पावरलूम मशीनें खरीदकर उन्हें लघु एवं मध्यम पावरलूम इकाइयों को बिना किसी अग्रिम लागत के प्रदान किया जाएगा।

➡ पावरलूम धारकों द्वारा इसे 4-5 वर्षों में किस्तों में इन मशीनों का पुनर्भुगतान EESL को किया जाएगा।

➡ इससे पावरलूम उद्योग की ऊर्जा दक्षता तथा उत्पादकता दोनों बढ़ेगी।

❑ संपूर्ण बीमा ग्राम योजना

➡ **प्रारंभ**– 13 अक्टूबर, 2017 को तत्कालीन दूरसंचार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) मनोज सिन्हा द्वारा इस योजना का शुभारंभ किया गया।

➡ **प्रावधान**– योजना के तहत प्रत्येक जिले से कम-से-कम एक गांव जिसमें न्यूनतम 100 परिवार हों, को चिह्नित कर उस गांव के सभी परिवारों को कम- से-कम एक ग्रामीण डाक जीवन बीमा (RPLI) पालिसी से आच्छादित किया जाएगा।

➡ इसके अंतर्गत सभी सांसद आदर्श गांवों को भी लाया जाएगा।

❑ सौभाग्य योजना

➡ **प्रारंभ**– 25 सितंबर, 2017 को पं. दीन दयाल उपाध्याय की जयंती पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 'प्रधानमंत्री सहज बिजली हर घर योजना' (सौभाग्य) का शुभारंभ किया गया।

➡ **उद्देश्य**– सौभाग्य योजना का उद्देश्य देश के ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्रों के सभी घरों का विद्युतीकरण करना है।

➡ **प्रावधान**– योजना के तहत गरीब परिवारों को निःशुल्क, जबकि अन्य परिवारों को 500 रुपये के भुगतान पर विद्युत कनेक्सन उपलब्ध कराया जाएंगा।

➡ इस परियोजना हेतु कुल 16320 करोड़ रुपये (ग्रामीण क्षेत्रों हेतु 14025 करोड़ रुपये तथा शहरी क्षेत्रों हेतु 2295 करोड़ रुपये) का परिव्यय निर्धारित किया गया है।

➡ इस योजना के तहत 3 करोड़ गैर-विद्युतीकृत घरों के विद्युतीकरण का लक्ष्य है।

➡ योजना का परिचालन रूरल इलेक्ट्रीफिकेशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड (REC) द्वारा किया जाएगा।

❑ प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना

➡ **प्रारंभ**– यह योजना 1 जनवरी, 2017 से प्रभावी है।

➡ **प्रावधान**– प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 के प्रावधानों के अनुरूप महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा क्रियान्वित की जा रही है।

➡ योजना के तहत गर्भवती महिलाओं तथा स्तनपान कराने वाली माताओं के प्रथम बच्चे के जन्म पर पोषण संबंधी जरूरतों को पूरा करने हेतु 5000 रुपये नकद प्रदान किए जाएंगे।

➡ यह राशि तीन किस्तों में प्रदान की जाएगी-

(i) 1000 रुपये की पहली किस्त गर्भावस्था के पंजीकरण के समय

(ii) 2000 रुपये की दूसरी किस्त गर्भावस्था के 6 माह बाद कम-से-कम एक प्रसव पूर्व जांच कराने के बाद।

(iii) 2000 रुपये की तीसरी किस्त बच्चे के जन्म के पंजीकरण होने तथा उसके टीकाकरण चक्र शुरू होने पर।

❑ प्रधानमंत्री वय वंदना योजना

➡ **शुभारंभ**– प्रधानमंत्री वय वंदना योजना का शुभारंभ 21 जुलाई, 2017 को तत्कालीन केंद्रीय वित्त मंत्री अरुण जेटली द्वारा नई दिल्ली से किया गया।

➡ **प्रावधान**– यह 60 वर्ष या उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों हेतु एक पेंशन योजना है।

➡ प्रारंभ में यह एक वर्ष हेतु थी, परंतु वर्तमान में इसे वर्ष 2019-20 तक के लिए बढ़ा दिया गया है।

➡ योजना के संचालन का दायित्व भारतीय जीवन बीमा निगम का है।

➡ इस योजना के तहत पेंशन हेतु एकमुस्त भुगतान पर 10 वर्षों के लिए 8 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से निश्चित रिटर्न दिया जाता है।

❑ मां कार्यक्रम (MAA-Mother's Absolute Affection)

➡ **शुभारंभ**– 5 अगस्त, 2016 को केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा।

➡ **लक्ष्य**– स्तनपान के लाभ के बारे में लोगों, विशेष रूप से माताओं को जागरूक करना तथा स्तनपान को बढ़ावा देना।

➡ **वित्तीयन**– मंत्रालय द्वारा 30 करोड़ रुपये का आवंटन (प्रत्येक जिले के लिए 4.3 लाख रुपये)

❑ प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना

➡ **घोषणा**– 13 जनवरी, 2016

➡ **प्रारंभ**– खरीफ वर्ष 2016 से प्रभावी।

➡ **लक्ष्य**– प्राकृतिक आपदाओं, कीटों एवं बीमारियों के परिणामस्वरूप फसलों की क्षति की स्थिति में किसानों को वित्तीय सहयोग प्रदान करना।

➡ **फसल कवरेज**– इसके अंतर्गत रबी, खरीफ, वाणिज्यिक एवं बागवानी फसलें शामिल की गई हैं।

➡ **किसानों द्वारा देय प्रीमियम राशि**– खरीफ की फसल पर 2.0 प्रतिशत, रबी पर 1.5 प्रतिशत और वाणिज्यिक एवं बागवानी फसलों पर 5 प्रतिशत। प्रीमियम राशि, बीमित राशि या अनुमानित भावी क्षति, दोनों में जो कम हो, का निर्दिष्ट प्रतिशत होगा।

❑ प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना

➡ **अनुमोदन**– 1 जुलाई, 2015

➲ इस योजना में 'त्वरित सिंचाई लाभ कार्यक्रम', 'समेकित वाटरशेड प्रबंधन कार्यक्रम' तथा 'खेत में जल प्रबंधन' को मिला दिया गया है।

➡ **लक्ष्य**– उचित प्रौद्योगिकियों एवं पद्धतियों के माध्यम से जल का दक्ष उपयोग एवं क्षेत्रीय स्तर पर सिंचाई में निवेश संवर्धन।

➡ **कार्यान्वयन**– राष्ट्रीय स्तर पर इस योजना की निगरानी एवं निरीक्षण प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में गठित एक अंतर-मंत्रालयी राष्ट्रीय संचालन समिति (NSC) द्वारा की जाती है, जिसमें सभी संबंधित मंत्रालयों के केंद्रीय मंत्री सदस्य हैं।

➲ इस योजना के अंतर्गत 5 वर्षों (2015-16 से 2019-20) के लिए 50,000 करोड़ रुपये के व्यय का प्रावधान किया गया है।

➲ राज्यों के कृषि विभाग इस योजना के कार्यान्वयन हेतु नोडल एजेंसी होंगे।

❑ मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना

➡ **प्रारंभ**– 19 फरवरी, 2015 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा राजस्थान के सूरतगढ़ से इस योजना का शुभारंभ किया गया।

➲ इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने **'स्वस्थ धरा, खेत हरा'** का नारा भी दिया।

➡ **लक्ष्य**– मृदा स्वास्थ्य में सुधार हेतु किसानों को मृदा की वास्तविक स्थिति को बताना जिससे संपोषणीय कृषि को बढ़ावा दिया जा सके।

➲ अगले 3वर्षों में 14 करोड़ किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड जारी करना।

➲ ये कार्ड प्रत्येक तीन वर्ष के चक्र में एक बार जारी किए जाएंगे।

➲ यह योजना कृषि एवं सहकारिता विभाग की देख-रेख में भारत के सभी राज्यों एवं केंद्र-शासित प्रदेशों में लागू की जा रही है।

❑ मेक इन इंडिया

➡ **प्रारंभ**– 25 सितंबर, 2014

➡ **लक्ष्य**– विनिर्माण क्षेत्र के संवर्धन हेतु भारत को महत्त्वपूर्ण विनिर्माण निवेश तथा अभिनव प्रयोगों के वैश्विक केंद्र के रूप में परिवर्तित करना।

➡ इसके लिए 25 औद्योगिक क्षेत्रों की पहचान की गई है।

➲ वर्ष 2022 तक सकल घरेलू उत्पाद में विनिर्माण क्षेत्र की हिस्सेदारी को 16 प्रतिशत से बढ़ाकर 25 प्रतिशत करना एवं इस क्षेत्र में 100 मिलियन अतिरिक्त रोजगार का सृजन।

❑ दीन दयाल उपाध्याय 'श्रमेव जयते'

➡ **प्रारंभ**– 16 अक्टूबर, 2014

➡ **लक्ष्य**– श्रम क्षेत्र में पारदर्शिता एवं दक्षता के माध्यम से औद्योगिक विकास हेतु अनुकूल परिवेश बनाना।

➲ इस कार्यक्रम के अंतर्गत 5 योजनाएं यथा- समर्पित श्रम सुविधा पोर्टल, आकस्मिक निरीक्षण की नई योजना, यूनिवर्सल खाता संख्या, प्रशिक्षु प्रोत्साहन योजना तथा पुनर्गठित राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना शामिल की गई हैं।

❑ स्मार्ट सिटी मिशन

➡ **प्रारंभ**– 25 जून, 2015

➡ **उद्घाटन**– 25 जून 2016, पुणे (कार्यान्वयन रूप में)

➡ **लक्ष्य**– शहरों में मूल बुनियादी सुविधाओं का विकास कर, नागरिकों को सभ्य एवं गुणवत्तापूर्ण जीवन-शैली प्रदान करने के साथ एक स्वच्छ एवं टिकाऊ पर्यावरण का निर्माण करना।

➲ सभी राज्यों एवं संघ राज्य क्षेत्रों को समग्र रूप से 100 स्मार्ट सिटीज वितरित किए जाने का लक्ष्य है, जिसमें से अब तक 99 शहर चुने जा चुके हैं।

➲ सबसे ज्यादा स्मार्ट शहर (13) उत्तर प्रदेश को तथा दूसरे क्रम पर 12 तमिलनाडु को प्राप्त हुए हैं।

➡ **वित्तीयन**– केंद्र द्वारा प्रति शहर, प्रति वर्ष 100 करोड़ रुपये और इतनी ही राशि का योगदान राज्य द्वारा।

❑ अटल नवीकरण और शहरी परिवर्तन मिशन

➡ **प्रारंभ**– 25 जून, 2015 को, नई दिल्ली में

➡ **लक्ष्य**– 1 लाख से अधिक की आबादी वाले सभी शहरों सहित सभी राजधानियों, में, परिवारों को बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना।

➡ **प्रमुख क्षेत्र**– 1. जलापूर्ति, 2. सीवरेज सुविधा एवं सेप्टेज प्रबंधन, 3. बाढ़ को कम करने हेतु वर्षा जल का प्रबंधन, 4. पैदल मार्ग, गैर-मोटरीकृत और सार्वजनिक परिवहन सुविधाएं तथा पार्किंग स्थल, 5. बच्चों के लिए हरित स्थलों, पार्कों तथा मनोरंजन केंद्रों का निर्माण एवं उन्नयन जिनसे शहरों की भव्यता बढ़े।

➡ **वित्तीय**– वर्ष 2015-16 से पांच वर्ष के लिए कुल परिव्यय 50,000 करोड़ रुपये।

❑ स्टैंड-अप इंडिया

➡ **प्रारंभ**– 15 अगस्त, 2015 को घोषणा, 5 अप्रैल, 2016 को नोएडा (उ.प्र.) में शुभारंभ।

➡ **लक्ष्य**– संस्थागत साख संरचना तक अनुसूचित जाति/जनजाति एवं महिला उद्यमियों की पहुंच को आसान बनाना।

➲ सभी वाणिज्यिक बैंकों की प्रत्येक शाखा से कम-से-कम एक अनु.जाति/जनजाति तथा एक महिला ऋणग्राहियों को 10 लाख से 1 करोड़ रुपये तक का ऋण किसी नवउद्यम हेतु उपलब्ध करवाना।

➲ सिडबी (SIDBI) 10,000 करोड़ रुपये का पुनर्वित्त खिड़की उपलब्ध करवाएगा।

➲ नेशनल क्रेडिट गारंटी ट्रस्ट कंपनी लि. (NCGTC) 5,000 करोड़ रुपये के कोष के माध्यम से एक क्रेडिट गारंटी तंत्र बनाएगा।

❑ प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना

➡ **प्रारंभ**– 15 जुलाई, 2015 (विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर)

➡ **लक्ष्य**– आगामी चार वर्षों (2016-20) के दौरान देश के 1 करोड़ युवाओं को प्रशिक्षित करना।

➲ योजना में श्रम बाजार में नवप्रवेशी और 10वीं तथा 12वीं की पढ़ाई बीच में छोड़ने वाले

छात्रों को प्रशिक्षित करने पर विशेष ध्यान दिया गया है।

➲ योजना में प्रत्येक प्रशिक्षु को औसतन 8000 रुपये का आर्थिक सहयोग दिए जाने का भी प्रावधान है।

❑ बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ

➡ **प्रारंभ**– 22 जनवरी, 2015 को हरियाणा के पानीपत से।

➡ **लक्ष्य**– लिंग आधारित भेदभाव को खत्म करके लिंगानुपात को ऊपर उठाना।

➲ प्रारंभ में इसे देश के सबसे कम लिंगानुपात वाले 100 जिलों में लागू किया गया था जिसके तहत एक वर्ष में जन्म लिंगानुपात (SRB : Sex Ratio at Birth) में 10 अंकों की वृद्धि का लक्ष्य रखा गया था।

➡ वर्तमान में इस योजना का विस्तार भारत के समस्त जिलों तक किया जा चुका है।

➡ यह तीन मंत्रालयों–स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, मानव संसाधन विकास मंत्रालय और महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की संयुक्त पहल है।

❑ प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना

➡ **प्रारंभ**– 1 मई, 2016 को बलिया (उ.प्र.) से।

➡ **लक्ष्य**– गरीबी रेखा से नीचे जीवन-यापन करने वाले निर्धन परिवारों को स्वच्छ ईंधन (LPG) उपलब्ध कराना।

➡ **आदर्श वाक्य**– 'स्वच्छ ईंधन, बेहतर जीवन'

➲ योजना के अंतर्गत तीन वर्षों (2016-19) में गरीबी रेखा के नीचे जीवन-यापन करने वाले 5 करोड़ परिवारों की महिलाओं को निःशुल्क रसोई-गैस कनेक्शन उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया था, जिसे बजट, 2018-19 में संशोधित कर 8 करोड़ कर दिया गया।

➡ यह योजना बीपीएल परिवारों के लिए प्रत्येक LPG कनेक्शन पर 1600 रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान करती है।

❑ दीन दयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन

➡ **प्रारंभ**– यह वर्ष 1999 में शुरू की गई स्वर्ण जयंती ग्राम स्वरोजगार योजना (SGSY) की उत्तरवर्ती योजना है, जिसे 3 जून, 2011 को राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन में परिवर्तित किया गया।

➡ **लक्ष्य**– ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार एवं कुशल मजदूरी रोजगार के माध्यम से गरीबों की आजीविका में सतत् सुधार करना।

➲ प्रत्येक ग्रामीण गरीब परिवार की कम-से-कम एक महिला सदस्य को समयबद्ध तरीके से स्वयं सहायता समूह (SHG) के अंतर्गत लाना।

➲ योजना के तहत लगभग 7 करोड़ ग्रामीण परिवारों की आजीविका में सुधार का लक्ष्य रखा गया है।

➡ **वित्तीयन**– केंद्र एवं राज्यों द्वारा 75:25 के अनुपात में (सिक्किम सहित पूर्वोत्तर राज्यों हेतु यह अनुपात 90:10 तथा केंद्रशासित प्रदेश के लिए 100 प्रतिशत केंद्र द्वारा)।

❑ स्टार्ट-अप इंडिया

➡ **प्रारंभ**– 15 अगस्त, 2015 को घोषणा, जबकि 16 जनवरी, 2016 को शुभारंभ।

➡ **उद्देश्य**– नवोन्मेष को बढ़ावा तथा कारोबार की शुरुआत हेतु अनुकूल वातावरण का सृजन।

➡ **अर्हता**– ● कंपनी का गठन अथवा पंजीकरण भारत में हो।

● संस्था के पंजीकरण/निगमीकरण की तिथि से 7 वर्ष (बायोटेक्नोलॉजी क्षेत्र हेतु 10 वर्ष) तक। ध्यातव्य है कि पहले यह पांच वर्ष थी।

● किसी वित्तीय वर्ष में वार्षिक कारोबार (टर्न ओवर) 25 करोड़ से अधिक न हो।

➡ वह प्रौद्योगिकी या बौद्धिक संपदा आधारित नए उत्पादों, प्रक्रियाओं अथवा सेवाओं के नवप्रवर्तन, विकास, अनुप्रयोग या वाणिज्यीकरण के संबंध में कार्य कर रहा हो या इसमें बड़ी मात्रा में रोजगार सृजन अथवा परिसम्पत्ति सृजन का सामर्थ्य विद्यमान हो।

➡ नवप्रवर्तन आधारित स्टार्टअप को वित्तीय सहायता देने के लिए 10000 करोड़ रुपये के फंड की स्थापना।

➡ इस फण्ड का प्रबंधन सिडबी (SIDBI) द्वारा।

❑ ई-नेशनल एग्रीकल्चर मार्केट (ई-नाम)

➡ **प्रारंभ**– 14 अप्रैल, 2016 को प्रधानमंत्री द्वारा राष्ट्रीय कृषि बाजार के लिए ई-ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म 'ई-नाम' का (e-NAM) शुभारंभ।

➲ ई-नाम वस्तुतः अखिल भारतीय इलेक्ट्रॉनिक ट्रेडिंग पोर्टल है।

➡ **लक्ष्य**– वर्तमान कृषि उपज विपणन समितियों (APMC) की मंडियों को एकीकृत कर कृषि जिंसों हेतु एकीकृत राष्ट्रीय बाजार का विकास।

➲ 23 मार्च, 2018 तक 16 राज्यों की 585 मंडिया ई-नाम से जुड़ चुकी हैं।

➡ वर्ष 2022 तक किसानों की आय दोगुना करने का लक्ष्य।

➲ कार्यान्वयन एजेंसी-स्मॉल फारमर्स एग्रीबिजनेस कंसोर्टियम (SFAC)।

❑ दीन दयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन

➡ **प्रारंभ**– 23 सितंबर, 2013 को स्वर्ण जयंती शहरी रोजगार योजना के स्थान पर राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (NULM) का शुभारंभ किया गया था। वर्तमान में इसका नाम परिवर्तित कर दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (DAY-NULM) कर दिया गया है।

➡ **लक्ष्य**– ● शहरों में लाभोन्मुख स्वरोजगार तथा कौशल-आधारित रोजगार के अवसरों को बढ़ावा दे कर शहरी गरीबी एवं उसकी सुभेद्यता (उपेक्षिता) को दूर करना।

● शहरी बेघर लोगों को आवश्यक सेवाओं से युक्त आश्रय प्रदान करना।

➲ 20 फरवरी, 2016 को सरकार ने देश के सभी सांविधिक शहरी स्थानीय निकायों को इसके अंतर्गत शामिल कर लिया।

➲ वित्तीयन की साझेदारी केंद्र तथा राज्यों के मध्य 75:25 के अनुपात में तथा पूर्वोत्तर एवं विशेष श्रेणी के राज्यों में यह अनुपात 90:10 होगा।

➲ इस मिशन में 'कौशल प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट' के माध्यम से रोजगार के तहत प्रत्येक शहरी गरीब के प्रशिक्षण पर 15000 रुपये तक व्यय किए जाते हैं, जबकि पूर्वोत्तर एवं जम्मू-कश्मीर में इस पर 18000 रुपये तक व्यय किए जाते हैं।

➲ इस मिशन का कार्यान्वयन आवास एवं शहरी गरीबी उपशमन मंत्रालय द्वारा किया जा रहा है।

❑ प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी)

➡ **प्रारंभ**– 25 जून, 2015

➡ **लक्ष्य**– वर्ष 2022 तक शहरी गरीबों को आवास उपलब्ध करना।

➲ यह योजना जनगणना 2011 के अनुसार, घोषित सभी 4041 सांविधिक कस्बों (Statutory Town) को कवर करेगी।

➡ कार्यान्वयन तीन चरणों में–

1. अप्रैल, 2015-मार्च, 2017 तक 100 शहरों के लिए।
2. अप्रैल, 2017- मार्च, 2019 तक अतिरिक्त 200 शहर।
3. अप्रैल, 2019 - मार्च, 2022 तक शेष सभी शहर।

❑ प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण)

➡ प्रारंभ– 20 नवंबर, 2016

➡ लक्ष्य– वर्ष 2022 तक सबके लिए आवास

➡ वित्तीय– मैदानी क्षेत्रों में प्रति इकाई 1.20 लाख रुपये और पहाड़ी क्षेत्रों में 1.30 लाख रुपये की सहायता।

➲ लाभान्वितों की पहचान हेतु सामाजिक-आर्थिक-जातीय जनगणना, 2011 का उपयोग किया जाएगा।

➲ लाभान्वित को 70000 रुपये तक ऋण लेने की सुविधा।

➲ मकान के मौजूदा 20 वर्ग मीटर के क्षेत्रफल को बढ़ाकर 25 वर्ग मीटर कर दिया गया है।

➡ वित्तीयन– 60 : 40 मैदानी क्षेत्र में और 90 : 10 पहाड़ी क्षेत्र में

❑ श्यामा प्रसाद मुखर्जी रर्बन मिशन

➡ प्रारंभ– 21 फरवरी, 2016

➡ लक्ष्य– पूरे देश में स्थानीय आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करने हेतु 300 ग्रामीण कलस्टरों का विकास, जिन्हें 'रर्बन कलस्टर' नाम दिया गया।

➲ राज्य सरकारों द्वारा ऐसे ग्राम पंचायतों के समूह का चयन किया जाएगा, जिनकी जनसंख्या 1. मैदानी तथा तटीय भागों में 25-50 हजार, एवं 2. रेगिस्तानी, पहाड़ी, द्वीपीय तथा जनजातीय क्षेत्रों में 5-15 हज़ार तक हो।

➡ वित्तीयन– वर्ष 2015-16 से वर्ष 2019-20 की समयावधि हेतु 5142.08 करोड़ रुपये परिव्यय का प्रावधान।

❑ उदय योजना (उज्ज्वल डिस्कॉम एंश्योरेंस योजना)

➡ प्रारंभ– 20 नवंबर, 2015

➡ लक्ष्य– बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) का वित्तीय सुधार एवं पुनरुत्थान।

➡ कार्यान्वयन– ऊर्जा मंत्रालय द्वारा।

➲ झारखंड इस योजना में शामिल होने वाला पहला राज्य।

❑ प्रधानमंत्री जन-धन योजना

➡ प्रारंभ– 28 अगस्त, 2014 को, 'मेरा खाता, भाग्य विधाता' आदर्श वाक्य के साथ।

➡ लक्ष्य– वंचित वर्गों का वित्तीय समावेशन।

➡ घटक– वंचित एवं गरीब लोगों को वित्तीय सेवाओं यथा बचत बैंक खाता, साख, बीमा, पेंशन आदि की उपलब्धता।

➲ वित्तीय जागरूकता का संवर्धन एवं प्रत्यक्ष लाभ अंतरण से संबद्ध करना।

➲ रुपे डेबिट कार्ड के साथ 1लाख रुपये का दुर्घटना बीमा।

➡ उपलब्धि– योजना के तहत 4 अप्रैल, 2018 तक कुल 31.42 करोड़ खाते खोले जा चुके हैं। इनमें से लगभग 81 प्रतिशत खाते वाणिज्यिक बैंकों में खोले गए हैं।

❑ प्रधानमंत्री मुद्रा योजना

➡ प्रारंभ– 8 अप्रैल, 2015 को

➲ MUDRA (Micro Unit Development and Refinance Agency) का गठन कंपनी अधिनियम, 2013 के अंतर्गत, भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक के एक अनुषंगी इकाई के रूप में।

➡ लक्ष्य– 'धनहीन को धन प्रदान करना' (Funding to The Unfunded)।

➲ पिरामिड के निम्नतम स्तर के व्यापक आर्थिक एवं सामाजिक विकास के लिए सर्वोत्तम एवं वैश्विक स्तर की एकीकृत वित्तीय सहायता सेवा प्रदान करना।

➡ सुविधा– योजना के अंतर्गत सूक्ष्म संस्थाओं को तीन श्रेणियों में विभाजित किया गया है–

1. शिशु उद्योग–50 हजार रुपये तक।
2. किशोर उद्योग–50 हजार से 5 लाख रुपये तक।
3. तरुण उद्योग 5 लाख से 10 लाख रुपये तक।

❑ अटल पेंशन योजना

➡ प्रारंभ– 1 जून, 2015 पूर्व की स्वावलंबन योजना का विलय।

➡ लक्ष्य– निजी क्षेत्र में कार्यरत असंगठित गरीब कामगारों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना।

➲ अभिदाताओं को उनके अंशदान के आधार पर 60 वर्ष की आयु पूरी होने पर 1000-5000 के बीच पेंशन का प्रावधान।

➡ पात्रता– 18-40 वर्ष की आयु के सभी बैंक खाताधारक पात्र।

➲ अभिदाता द्वारा अंशदान की न्यूनतम अवधि 20 वर्ष।

➲ 5 वर्षों तक अंशदान का 50 प्रतिशत या 1000 रुपया प्रति वर्ष, जो भी कम हो, का वहन सरकार द्वारा।

❑ प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना

➡ प्रारंभ– 9 मई, 2015 को कोलकाता से

➡ लक्ष्य–सभी भारतीयों विशेषकर गरीब और कमजोर तबकों एवं असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा प्रणाली का निर्माण। योजना की अवधि 1 वर्ष (1 जून से 31 मई)

➡ पात्रता– 18-70 वर्ष की आयु के सभी बचत बैंक खाताधारक पात्र होंगे।

➲ प्रीमियम राशि 12 रु./वर्ष (स्वतः भुगतान प्रणाली के माध्यम से)।

➲ दुर्घटना में मृत्यु अथवा पूर्ण अपंगता पर 2 लाख रुपया, आंशिक अपंगता पर 1 लाख रुपया।

❑ प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना

➡ प्रारंभ– 9 मई, 2015

➡ लक्ष्य– जीवन बीमा को बढ़ावा देने के साथ-साथ पॉलिसी धारक की मृत्यु होने पर उसके परिवार को आर्थिक सहायता प्रदान करना।

➡ पात्रता– 18-50 वर्ष की आयु के सभी व्यक्ति।

➲ प्रीमियम राशि 330 रुपये।

➲ जोखिम कवरेज 2 लाख रुपये।

❑ स्वच्छ भारत अभियान

➡ प्रारंभ– 2 अक्टूर, 2014

➡ लक्ष्य– गांधीजी की 150वीं जयंती (2 अक्टूबर, 2019) तक संपूर्ण भारत को स्वच्छ बनाना।

➲ बजट 2018-19 में इस अभियान हेतु 17843.1 करोड़ रुपये आवंटित किए गए।

➲ केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारों द्वारा वित्तीयन 75 : 25 के अनुपात में (पूर्वोत्तर एवं विशेष श्रेणी के राज्यों हेतु यह अनुपात 90 : 10 का) होगा।

राष्ट्रीय आय के अनंतिम अनुमान, 2019-20

केंद्रीय सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के तहत 'केंद्रीय सांख्यिकी कार्यालय' (CSO) द्वारा वित्त वर्ष 2019-20 के लिए स्थिर कीमतों (2011-12) एवं चालू कीमतों पर राष्ट्रीय आय के अनंतिम अनुमान 29 मई, 2020 को जारी किए गए। वर्ष 2019-20 के लिए यह अनुमान कृषिगत एवं औद्योगिक उत्पादन के नवीनतम आकलनों, सरकारी व्यय तथा मुख्य क्षेत्रकों यथा-संचार, बैंकिंग एवं बीमा, रेलवे भिन्न परिवहन आदि के अब तक उपलब्ध आंकड़ों के अनुमान पर आधारित हैं। इन अनुमानों के प्रमुख बिंदु निम्न हैं–

➤ सकल घरेलू उत्पाद (GDP)

➲ स्थिर कीमतों (2011-12) पर अनुमान

➲ वित्त वर्ष 2019-20 में स्थिर कीमतों (2011-12) पर वास्तविक जीडीपी अथवा सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के बढ़कर 145.66 लाख करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच जाने का अनुमान है। वर्ष 2019-20 में जीडीपी वृद्धि दर 4.2 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया है, जबकि वर्ष 2018-19 प्र.सं.अ. में जीडीपी वृद्धि दर 6.1 प्रतिशत रही थी।

➤ बुनियादी कीमतों पर सकल मूल्य वर्धित (जीवीए)

➲ बुनियादी स्थिर कीमतों (2011-12) पर जीवीए अर्थात वास्तविक जीवीए के वर्ष 2018-19 के 128.03 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 133.01 लाख करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच जाने का अनुमान है। वर्ष 2019-20 में वास्तविक जीवीए की अनुमानित वृद्धि दर 3.9 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जबकि यह वर्ष 2018-19 प्र.सं.अ. में 6.0 प्रतिशत आंकी गई थी।

➲ जिन क्षेत्रों (Sector) द्वारा 10 फीसदी या उससे ज्यादा की वृद्धि दर (2019-20 में) हासिल किए जाने का अनुमान है, उनमें केवल 'लोक प्रशासन, रक्षा एवं अन्य सेवाएं' (10.0%) हैं। निर्माण, बिजली, गैस, जलापूर्ति एवं अन्य उपयोगी सेवाएं' और 'वित्तीय, अचल संपत्ति एवं प्रोफेशनल सेवाएं' क्षेत्रों की वृद्धि दर क्रमशः 1.3, 4.1 और 4.6 प्रतिशत रहने का अनुमान है। 'कृषि, वानिकी एवं मत्स्य पालन', 'खनन एवं उत्खनन' 'व्यापार, होटल, परिवहन, संचार एवं अन्य सेवाएं और 'विनिर्माण' क्षेत्रों की वृद्धि दर क्रमशः 4.0, 3.1, 3.6 तथा 0.03 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

➡ प्रति व्यक्ति आय

➲ वर्ष 2019-20 के दौरान सही अर्थों में (2011-12 कीमतों पर) प्रति व्यक्ति आय के बढ़कर 94954 रुपये हो जाने का अनुमान है, जबकि वर्ष 2018-19(1st R.E.) में यह 92085 रुपये थी।

➡ वर्तमान कीमतों पर अनुमान, सकल घरेलू उत्पाद :

➲ वर्ष 2019-20 में वर्तमान कीमतों पर जीडीपी के बढ़कर 203.40 लाख करोड़ रुपये हो जाने का अनुमान है, जो वर्ष 2018-19(1st R.E.) में 189.71 लाख करोड़ रुपये थी। इस तरह यह 7.2 प्रतिशत की जीडीपी वृद्धि दर को दर्शाती है।

➡ राष्ट्रीय आय

➲ वर्ष 2019-20 के दौरान वर्तमान कीमतों पर सकल राष्ट्रीय आय (जीएनआई) 201.18 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान है, जो वर्ष 2018-19 (1st R.E.) में 187.69 लाख करोड़ रुपये थी। यह 7.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है।

राष्ट्रीय आय के अनंतिम अनुमान, 2018-19 (लाख करोड़ रुपये में)

मद	स्थिर कीमतों (2011-12) पर			चालू कीमतों पर		
	2018-19 1st सं.अ.	2019-20 अं.अनु.	गत वर्ष की तुलना में % परिवर्तन	2018-19 1st सं.अनु.	2019-20 अनं.अनु.	गत वर्ष की तुलना में % परिवर्तन
सकल घरेलू उत्पाद (GDP)	139.81	145.66	4.2	189.71	203.40	7.2
शुद्ध घरेलू उत्पाद (NDP)	123.72	128.94	4.2	169.92	182.21	7.2
सकल मूल्यवर्धन (GVA)	128.03	133.01	3.9	171.40	183.43	7.0
सकल राष्ट्रीय आय (GNI)	138.29	144.05	4.2	187.69	201.18	7.2
शुद्ध राष्ट्रीय आय (NNI)	122.20	127.33	4.2	167.89	180.00	7.2
प्रति व्यक्ति आय (रुपये में)	92085	94954	3.1	126521	134226	6.1

सकल मूल्यवर्धन (GVA) में क्षेत्रवार वृद्धि (प्रतिशत में)

क्षेत्र	स्थिर कीमतों पर आधार वर्ष 2011-12		चालू कीमतों पर	
	2018-19 प्रथम संशोधित अ.	2019-20 अनं. अ.	2018-19 प्रथम संशो. अनु.	2019-20 अनं. अनु.
1. कृषि, वानिकी एवं मात्स्यिकी	2.4	4.0	4.5	11.4
2. खनन एवं उत्खनन	–5.8	3.1	8.8	1.0
3. विनिर्माण	5.7	0.03	8.6	0.3
4. बिजली, गैस, जलापूर्ति तथा अन्य सेवाएं	8.2	4.1	7.4	6.6
5. निर्माण	6.1	1.3	12.2	3.0
6. व्यापार, होटल, परिवहन, संचार एवं प्रसारण संबंधी सेवाएं	7.7	3.6	11.7	5.5
7. वित्त, रियल एस्टेट एवं व्यावसायिक सेवाएं	6.8	4.6	13.0	6.1
8. लोक प्रशासन, रक्षा एवं अन्य सेवाएं	9.4	10.0	15.0	15.7
सकल मूल्यवर्धन (GVA)	**6.0**	**3.9**	**10.5**	**7.0**

कृषिगत उत्पादन-भारत एवं विश्व

भारत

2018-19 (च.अ.अ.) में तीन सबसे बड़े उत्पादक राज्यों में महत्वपूर्ण फसलों का उत्पादन

फसल/फसल समूह	राज्य	उत्पादन (मिलियन टन)	अखिल भारत में प्रतिशत हिस्सा
1. खाद्यान्न			
चावल	पश्चिम बंगाल	16.05	13.79
	उत्तर प्रदेश	15.54	13.34
	पंजाब	12.82	11.01
	अखिल भारत	116.4	--
गेहूं	उत्तर प्रदेश	32.75	32.04
	पंजाब	18.24	17.85
	मध्य प्रदेश	15.47	15.14
	अखिल भारत	102.2	--
मक्का	कर्नाटक	3.73	13.69
	मध्य प्रदेश	3.68	13.52
	बिहार	3.02	11.10
	अखिल भारत	27.2	--
ज्वार	कर्नाटक	0.91	24.11
	महाराष्ट्र	0.86	22.90
	तमिलनाडु	0.49	12.97
	अखिल भारत	3.76	--
बाजरा	राजस्थान	3.81	44.22
	उत्तर प्रदेश	1.78	20.66
	हरियाणा	0.88	10.20
	अखिल भारत	8.61	--
कुल न्यूट्री/मोटे अनाज	राजस्थान	7.06	16.44
	कर्नाटक	5.54	12.89
	मध्य प्रदेश	5.02	11.69
	अखिल भारत	43.0	--
चना	मध्य प्रदेश	4.61	45.53
	राजस्थान	1.76	17.39
	महाराष्ट्र	1.07	10.58
	अखिल भारत	10.1	--
तूर (अरहर)	कर्नाटक	0.98	27.19
	महाराष्ट्र	0.68	19.08
	मध्य प्रदेश	0.58	16.08
	अखिल भारत	3.6	--
कुल दालें	मध्य प्रदेश	7.81	33.38
	राजस्थान	3.68	15.71
	उत्तर प्रदेश	2.40	10.24
	अखिल भारत	23.4	--
कुल खाद्यान्न	उत्तर प्रदेश	54.6	19.17
	मध्य प्रदेश	32.8	11.51
	पंजाब	31.5	11.06
	अखिल भारत	284.95	--

फसल/फसल समूह	राज्य	उत्पादन (मिलियन टन)	अखिल भारत में प्रतिशत हिस्सा
2. तिलहन			
मूंगफली	गुजरात	2.20	32.82
	राजस्थान	1.38	20.66
	तमिलनाडु	0.88	13.13
	अखिल भारत	6.7	--
रेपसीड और सरसों	राजस्थान	4.08	43.68
	हरियाणा	1.25	13.42
	उत्तर प्रदेश	1.12	11.96
	अखिल भारत	9.3	--
सोयाबीन	मध्य प्रदेश	7.20	52.22
	महाराष्ट्र	4.55	32.99
	राजस्थान	1.17	8.47
	अखिल भारत	13.79	--
सूरजमुखी	कर्नाटक	0.12	53.73
	ओडिशा	0.02	9.30
	हरियाणा	0.02	7.14
	अखिल भारत	0.22	--
कुल तिलहन	मध्य प्रदेश	8.99	27.86
	राजस्थान	6.93	21.47
	महाराष्ट्र	4.79	14.84
	अखिल भारत	32.3	--
3. अन्य नकदी फसलें			
गन्ना	उत्तर प्रदेश	179.71	44.91
	महाराष्ट्र	92.44	23.10
	कर्नाटक	42.01	10.50
	अखिल भारत	400.2	--
कपास*	महाराष्ट्र	7.13	24.83
	गुजरात	6.09	21.22
	तेलंगाना	4.10	14.26
	अखिल भारत	28.7	--
जूट और मेस्ता**	पश्चिम बंगाल	7.69	78.71
	बिहार	1.02	10.45
	असम	0.86	8.80
	अखिल भारत	9.8	--
आलू @ (हजार मीट्रिक टन)	उत्तर प्रदेश	15555.53	30.32
	पश्चिम बंगाल	12782.50	24.91
	बिहार	7740.79	15.09
	अखिल भारत	51310.01	--

प्याज @	महाराष्ट्र	8854.00	38.06
(हजार मीट्रिक	मध्य प्रदेश	3701.88	15.91
टन)	कर्नाटक	2996.50	12.88
	अखिल भारत	23262.33	--
सुपारी* @	कर्नाटक	517.35	62.1
(हजार मीट्रिक	केरल	130.1	15.6
टन)	असम	77.9	9.3
	अखिल भारत	832.98	--
नारियल @	केरल	5829.00	35.52
(हजार मीट्रिक	कर्नाटक	4326.75	26.36
टन)	तमिलनाडु	4152.01	25.30
	अखिल भारत	16412.57	--
काजू @	महाराष्ट्र	269.44	33.0
(हजार मिट्रिक टन)	आंध्र प्रदेश	116.92	14.3
	ओडिशा	98.59	12.1
	अखिल भारत	817.00	--
कुल फल #	आंध्र प्रदेश	17614.67	17.87
(हजार मीट्रिक टन)	महाराष्ट्र	10822.77	10.98
	उत्तर प्रदेश	10651.26	10.80
	अखिल भारत	98579.27	--
कुल सब्जियां #	प. बंगाल	29545.23	15.89
(हजार मीट्रिक टन)	उत्तर प्रदेश	27703.82	14.90
	मध्य प्रदेश	17773.19	9.56
	अखिल भारत	185883.22	--
मसाले #	मध्य प्रदेश	2961.02	32.13
(हजार मीट्रिक टन)	राजस्थान	942.69	10.23
	गुजरात	747.15	8.11
	अखिल भारत	9216.37	--

*170 किग्रा. वजन वाली मिलियन गांठों का उत्पादन। **180 किग्रा. वजन वाली मिलियन गांठों का उत्पादन। @ 2017-18, # 2018-19 (तृ.अ.अ.)

प्रमुख फसलों का उत्पादन, सकल क्षेत्र एवं उत्पादकता

फसल/समूह	2018-19 (च.अ.अ.) उत्पादन (मि.टन)	2018-19 (च.अ.अ.) सकल क्षेत्र (मि. हेक्टेयर)	2018-19 (च.अ.अ.) उत्पादकता (किग्रा./हेक्टेयर)
खाद्यान्न	284.9	123.9	2299
खरीफ	141.7	71.5	1982
रबी	143.2	52.4	2732
अनाज (चावल, गेहूं समेत)	261.6	94.9	2756
खरीफ	133.1	57.1	2330
रबी	128.4	37.8	3400
दालें	23.4	29.0	806
खरीफ	8.6	14.4	598
रबी	14.8	14.7	1009
चावल	116.4	43.8	2659
खरीफ	102.1	39.6	2578
रबी	14.3	4.2	3427
गेहूं	102.2	29.1	3507
ज्वार	3.8	3.8	979
खरीफ	1.7	1.6	1101
रबी	2.0	2.3	894
मक्का	27.2	9.2	2966
बाजरा	8.6	6.9	1242
चना	10.1	9.4	1073

फसल/समूह	2018-19 (च.अ.अ.) (मि.टन)	2018-19 (च.अ. अ.) सकल क्षेत्र (मि. हेक्टेयर)	2018-19 (च.अ.अ.) उत्पादकता (किग्रा./हेक्टेयर)
तूर	3.6	4.8	751
कुल तिलहन	32.3	25.5	1265
खरीफ	21.3	18.2	1170
रबी	11.0	7.3	1504
मूंगफली	6.7	4.8	1395
खरीफ	5.4	4.2	1276
रबी	1.3	0.6	2199
रेपसीड और सरसों	9.3	6.2	1499
गन्ना	400.2	5.1	78(टन/हे.)
कपास*	28.7	12.7	386
जूट और मेस्ता**	9.8	0.7	2409
जूट	9.4	–	2467
मेस्ता	0.4	–	1525
बागानी फसलें (2018-19 तृ.अ.अ.)			
चाय	1.4	0.6	2251
रबर (2018-19 अनं.)	0.7	0.8	792
आलू	53.0	2.2	25

*170 किग्रा. की मिलियन गांठें, **180 किग्रा. की मिलियन गांठें

विभिन्न फसलों के अंतर्गत क्षेत्र एवं सिंचित क्षेत्र (area under Irrigation by crops)

(मिलियन हेक्टेयर)

फसल / वर्ष	चावल	ज्वार	बाजरा	मक्का	गेहूं	मोटे अनाज	अरहर	कुल दालें	कुल खाद्यान्न	गन्ना	कुल नौ तिलहन	कपास
2001-02	44.90	9.80	9.53	6.58	26.34	29.52	3.33	22.01	122.78	4.41	22.64	9.13
2005-06	43.66	8.67	9.58	7.59	26.48	29.06	3.58	22.39	121.60	4.20	27.86	8.68
2015-16	43.50	6.08	7.13	8.81	30.42	24.39	3.96	24.91	123.22	4.93	26.09	12.29
सिंचित क्षेत्र % (2013-14)	59.65	9.58	9.05	27.15	93.58	17.24	4.27	19.7	51.93	95.3	27.3	32.48
2014-15	60.09	9.90	9.52	26.63	94.19	17.35	4.01	19.9	53.05	90.2	27.4	33.75

फसल क्षेत्र में शीर्ष राज्य (2018-19 च.अ.अ.)

फसल	शीर्ष राज्य	क्षेत्र (मि.हेक्टेयर)	प्रतिशत (भारत में)	संपूर्ण भारत क्षेत्र (मि.हेक्टेयर)
खाद्यान्न	1. उत्तर प्रदेश	19.49	15.73	123.94
	2. मध्य प्रदेश	16.41	13.24	
	3. राजस्थान	14.94	12.05	
गेहूं	1. उत्तर प्रदेश	9.54	32.74	29.14
	2. मध्य प्रदेश	5.52	18.95	
	3. पंजाब	3.52	12.08	
चावल	1. उत्तर प्रदेश	5.75	13.12	43.79
	2. पश्चिम बंगाल	5.52	12.61	
	3. ओडिशा	3.71	8.47	
ज्वार	1. महाराष्ट्र	1.40	36.35	3.84
	2. कर्नाटक	0.87	22.53	
	3. राजस्थान	0.56	14.70	
बाजरा	1. राजस्थान	4.18	60.32	6.93
	2. उत्तर प्रदेश	0.88	12.65	
	3. महाराष्ट्र	0.50	7.27	
मक्का	1. मध्य प्रदेश	1.37	14.87	9.18
	2. कर्नाटक	1.34	14.62	
	3. महाराष्ट्र	0.95	10.33	
कुल दालें	1. मध्य प्रदेश	6.88	23.71	29.03
	2. राजस्थान	5.90	20.34	
	3. महाराष्ट्र	3.51	12.09	
चना	1. मध्य प्रदेश	3.43	36.37	9.44
	2. महाराष्ट्र	1.60	16.92	
	3. राजस्थान	1.29	13.70	
तूर (अरहर)	1. कर्नाटक	1.52	31.88	4.78
	2. महाराष्ट्र	1.21	25.33	
	3. मध्य प्रदेश	0.45	9.32	
सूरजमुखी	1. कर्नाटक	0.16	63.07	0.25
	2. ओडिशा	0.02	6.57	
	3. आंध्र प्रदेश	0.01	5.26	
सोयाबीन	1. मध्य प्रदेश	5.60	49.45	11.33
	2. महाराष्ट्र	4.04	35.68	
	3. राजस्थान	0.93	8.22	
रेपसीड एवं सरसों	1. राजस्थान	2.37	38.07	6.23
	2. मध्य प्रदेश	0.78	12.49	
	3. उत्तर प्रदेश	0.75	12.08	
काजू (2018-19 तृ. अ.अ.) (हजार हे. में)	1. ओडिशा	205.38	18.9	1089.38
	2. महाराष्ट्र	191.45	17.6	
	3. आंध्र प्रदेश	191.27	17.6	
नारियल (2018-19 तृ.अ.अ.) (हजार हे. में)	1. केरल	756.89	34.74	2178.74
	2. कर्नाटक	615.26	28.24	
	3. तमिलनाडु	437.34	20.07	
प्याज(2018-19 तृ.अ.अ.) (हजार हे. में)	1. महाराष्ट्र	444.37	35.91	1262.83
	2. कर्नाटक	190.52	15.09	
	3. मध्य प्रदेश	148.71	11.78	
आलू (2018-19) (तृ.अ.अ.) (हजार हे.में)	1. उत्तर प्रदेश	610.50	28.25	2160.69
	2. पश्चिम बंगाल	432.20	20.00	
	3. बिहार	320.11	14.82	
तंबाकू (2017-18) (हजार हे.में)	1. गुजरात	174.00	42.37	410.62
	2. कर्नाटक	95.00	23.14	
	3. आंध्र प्रदेश	83.00	20.21	
गन्ना	1. उत्तर प्रदेश	2.22	43.49	5.11
	2. महाराष्ट्र	1.16	22.74	
	3. कर्नाटक	0.51	9.90	
जूट एवं मेस्ता	1. पश्चिम बंगाल	0.53	72.31	0.73
	2. बिहार	0.09	11.63	
	3. असम	0.08	10.52	
कपास	1. महाराष्ट्र	4.25	33.61	12.66
	2. गुजरात	2.66	21.01	
	3. तेलंगाना	1.83	14.43	
मोटे अनाज	1. राजस्थान	5.84	26.56	21.98
	2. महाराष्ट्र	3.00	13.65	
	3. कर्नाटक	2.97	13.50	

फसल उत्पादकता : भारत और विश्व

फसल	भारत 2018-19 (च.अ.अ. किग्रा./हे.) उच्चतम उत्पादकता	विश्व (2017) उच्चतम उत्पादकता (किग्रा./हे.)
1. धान	पंजाब-4132	चीन - 6917
2. गेहूं	पंजाब-5183	जर्मनी - 7644
3. मक्का	तमिलनाडु-6551	सं.रा. अमेरिका 11084
4. कपास	पंजाब-776	-

उर्वरक संबंधी आंकड़े (2018-19)

उर्वरक खपत (किग्रा./हेक्टेयर)	तेलंगाना	245.29
	पुडुचेरी	227.87
	बिहार	227.30
	पंजाब	224.49
	हरियाणा	224.46
	अखिल भारत	133.12
उर्वरक खपत (हजार टन)	उत्तर प्रदेश	4721.75
	महाराष्ट्र	2770.18
	मध्य प्रदेश	2284.96
	अखिल भारत	27375.20

कृषिगत उत्पादन-विश्व

वैश्विक कृषिगत उत्पादन (मात्रा) में शीर्ष देश

(संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन- FAO के अद्यतन आंकड़ों पर आधारित; वर्ष 2018 के लिए)

चावल- 1. चीन, 2. भारत, 3. इंडोनेशिया, 4. बांग्लादेश, 5. वियतनाम

गेहूं- 1. चीन, 2. भारत, 3. रूस, 4. सं.रा. अमेरिका, 5. फ्रांस

मक्का- 1. सं.रा.अमेरिका, 2. चीन, 3. ब्राजील, 4. अर्जेंटीना, 5. यूक्रेन

जौ-1. रूस, 2. फ्रांस 3. जर्मनी, 4. ऑस्ट्रेलिया 5. स्पेन

ज्वार (Sorghum)- 1. सं.रा.अमेरिका, 2. नाइजीरिया, 3. सूडान, 4. इथियोपिया 5. भारत,

दलहन (Pulses,nes)- 1. भारत, 2. पोलैंड, 3. यू.के., 4. मोजाम्बिक, 5. चीन

मूंगफली (छिलका युक्त) - 1. चीन, 2. भारत, 3. नाइजीरिया, 4. सूडान, 5. सं.रा. अमेरिका

रेपसीड- 1. कनाडा, 2. चीन, 3. भारत, 4. फ्रांस, 5. ऑस्ट्रेलिया

सोयाबीन- 1. सं.रा. अमेरिका, 2. ब्राजील, 3. अर्जेंटीना, 4. चीन, 5. भारत

सूरजमुखी (बीज)- 1. यूक्रेन, 2. रूस, 3. अर्जेंटीना, 4. रोमानिया, 5. चीन

गन्ना- 1. ब्राजील, 2. भारत, 3. चीन, 4. थाईलैंड, 5. पाकिस्तान

कपास (बीज) - 1. चीन, 2. भारत, 3. सं.रा. अमेरिका, 4. पाकिस्तान, 5. ब्राजील

जूट- 1. भारत, 2. बांग्लादेश, 3. चीन, 4. उज्बेकिस्तान, 5. नेपाल

आलू- 1. चीन, 2. भारत, 3. यूक्रेन, 4. रूस, 5. सं. रा. अमेरिका

प्याज (सूखी)- 1. चीन, 2. भारत, 3. सं.रा. अमेरिका, 4. मिस्र, 5. ईरान

टमाटर- 1. चीन, 2. भारत, 3. सं.रा. अमेरिका, 4. तुर्की, 5. मिस्र

सेब- 1. चीन, 2. सं.रा.अमेरिका, 3. पोलैंड, 4. तुर्की, 5. ईरान

केला- 1. भारत, 2. चीन, 3. इंडोनेशिया, 4. ब्राजील, 5. इक्वेडोर

नारियल- 1. इंडोनेशिया, 2. फिलीपींस, 3. भारत, 4. श्रीलंका, 5. ब्राजील

अंगूर- 1. चीन, 2. इटली, 3. सं.रा. अमेरिका, 4. स्पेन, 5. फ्रांस

संतरा- 1. ब्राजील, 2. चीन, 3. भारत, 4. सं.रा.अमेरिका, 5. मेक्सिको

चुकंदर- 1. रूस, 2. फ्रांस, 3. सं.रा. अमेरिका, 4. जर्मनी, 5. तुर्की

मसाले (Spices,nes)- 1. भारत, 2. तुर्की, 3. बांग्लादेश, 4. चीन, 5. इंडोनेशिया

चाय- 1. चीन, 2. भारत, 3. केन्या, 4. श्रीलंका, 5. तुर्की

कॉफी (हरी)-1. ब्राजील, 2. वियतनाम, 3. इंडोनेशिया, 4. कोलंबिया, 5. होंडुरास

तंबाकू (Tobacco, Unmanufactured)- 1. चीन, 2. ब्राजील, 3. भारत, 4.सं.रा.अमेरिका, 5. इंडोनेशिया

कोकोआ, बीन्स- 1. कोटे डी आइवर, 2. घाना, 3. इंडोनेशिया, 4. नाइजीरिया, 5. कैमरून

प्राकृतिक रबर- 1. थाईलैंड, 2. इंडोनेशिया, 3. वियतनाम, 4. भारत, 5. चीन

कुल दूध (4 देश)*- 1. भारत, 2. सं.रा. अमेरिका, 3. पाकिस्तान, 4. चीन

स्रोत - NDDB के अनुसार 2017 के आंकड़े

वैश्विक कृषि के संदर्भ में भारत की स्थिति (2017)

मद	भारत	विश्व	% हिस्सा	भारत की रैंक	इनके पश्चात
1. क्षेत्रफल (मि.हेक्टेयर)					
कुल क्षेत्र	328.73	13486.03	2.44	7	रूस, कनाडा, अमेरिका, चीन, ब्राजील, ऑस्ट्रेलिया
भू-क्षेत्र	297.32	13002.86	2.29	7	रूस, चीन, अमेरिका, कनाडा, ब्राजील, ऑस्ट्रेलिया
कृषि योग्य भूमि	156.46	1390.70	11.25	2	अमेरिका
2. जनसंख्या* (मिलियन)					
कुल	1338.68	7547.86	17.74	2	चीन
ग्रामीण	889.22	3410.07	26.08	1	
3. फसल उत्पादन (मिलियन टन)					
(A): कुल अनाज	313.61	2980.17	10.52	3	चीन, अमेरिका
गेहूं	98.51	771.72	12.77	2	चीन
चावल (धान)	168.50	769.66	21.89	2	चीन
(B): दलहन	23.24	95.98	24.21	1	
(C): तिलहन					
मूंगफली (छिलका युक्त)	9.18	47.10	19.49	2	चीन
रेपसीड	7.92	76.24	10.38	3	कनाडा, चीन
(D): वाणिज्यिक फसलें					
गन्ना	306.07	1841.53	16.62	2	ब्राजील
चाय	1.33	6.10	21.72	2	चीन
कॉफी (हरी)	0.31	9.21	3.39	8	ब्राजील, वियतनाम, कोलंबिया, इंडोनेशिया, होंडुरास, इथियोपिया, पेरू
जूट	1.97	3.53	55.69	1	
कपास (लिंट)*	6.05	24.77	24.43	2	चीन
तंबाकू पत्तियां	0.80	6.50	12.30	3	चीन, ब्राजील
4. फल एवं सब्जियां (मि.टन)					
सब्जियां एवं मेलन	127.14	1094.34	11.62	2	चीन
मेलन के अतिरिक्त फल	92.30	865.59	10.66	2	चीन
आलू	48.61	388.19	12.52	2	चीन
प्याज (सूखी)	22.43	97.86	22.92	2	चीन
5. पशुधन (मिलियन)					
कैटल (Cattle)	185.10	1491.69	12.41	2	ब्राजील
भैंस	113.33	200.97	56.39	1	
ऊंट	0.33	34.83	0.93	16	चाड, सोमालिया, सूडान केन्या, नाइजर, मॉरिटानिया,इथियोपिया, माली, पाकिस्तान, सऊदी अरब, यू.ए.ई, यमन, मंगोलिया, अल्जीरिया, इरिट्रिया।
भेड़	63.07	1202.43	5.25	3	चीन, ऑस्ट्रेलिया
बकरी	133.35	1034.41	12.89	2	चीन
चिकन	783.27	22847.06	3.43	6	चीन, इंडोनेशिया, अमेरिका, ब्राजील, ईरान
6. पशु उत्पाद (मिलियन टन)					
कुल दूध	176.27	827.88	21.29	1	
अंडे (प्राथमिक)	4.85	87.01	5.57	3	चीन, अमेरिका
कुल मांस	7.30	334.23	2.18	6	चीन, अमेरिका, ब्राजील, रूस, जर्मनी

स्रोत : FAOSTAT (08.01.2020 तक की स्थिति) *डाटा 2013 से संबंधित है।

❑ भारत में सार्वजनिक उद्यम

➡ ऐसे उद्यम जिनका स्वामित्व सरकार या राज्य के पास हो, (यह आवश्यक नहीं कि इनका प्रबंधन भी राज्य करे) सार्वजनिक उद्यम कहलाते हैं। स्वतंत्रता के पहले सार्वजनिक उद्यम नहीं के बराबर थे, इनका विस्तार स्वतंत्रता के बाद हुआ।

➡ इन उद्यमों की स्थापना तीन उद्देश्यों के लिए की गई–

1. कल्याणकारी राज्य की स्थापना या अर्थव्यवस्था में विद्यमान व्यापक बेरोजगारी, गरीबी जैसी समस्याओं के समाधान के लिए।
2. समाज के सभी वर्गों के लिए सार्वजनिक एवं मेरिट वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए।
3. निजी क्षेत्र के ऊपर नियामक तंत्र के रूप में कार्य करते हुए आवश्यक वस्तुओं की कीमत निर्धारण में नेता के रूप में कार्य करने के लिए।

➡ सार्वजनिक उद्यम की औद्योगिक व व्यावसायिक इकाइयों को तीन वर्गों में रखा जा सकता है–

1. विभागीय स्तर पर संचालित होने वाली इकाइयां– रेलवे, डाक विभाग।
2. वैधानिक निगमों द्वारा संचालित गैर-विभागीय इकाइयां–LIC, FCI, NTPC, ONGC इत्यादि।
3. कंपनी अधिनियम, 1956 के अंतर्गत सरकारी कंपनियों द्वारा संचालित इकाइयां SAIL, BHEL इत्यादि।

➲ **नवरत्न**–यह सार्वजनिक उपक्रमों का एक विशिष्ट वर्ग है। इस धारणा का प्रारंभ 22 जुलाई, 1997 को किया गया था।

➡ **नवरत्न कंपनियों की संख्या 14-** (i) RECL (ii) NALCO (iii) MTNL (iv) PFC (v) BEL (vi) SCI (vii) HAL (viii) OIL(ix) RINL (x) NMDC (xi) NLC (xii) NBCCL (xiii) EIL (xiv) CONCOR

➡ ये कंपनियां **1000 करोड़ रुपये तक का निवेश स्व-विवेक से** कर सकती हैं।

➲ **महारत्न**–यह नवरत्न की एक विशेष श्रेणी है इस धारणा का प्रारंभ 4 फरवरी, 2010 को किया गया था।

➲ **महारत्न उपक्रमों की संख्या 10** है, जो निम्न हैं– (i) SAIL (ii) ONGC (iii) IOC (iv) NTPC (v) CIL (vi) GAIL (vii) BHEL (viii) BPCL (ix) HPCL एवं (x) PGCIL

➲ ये कंपनियां **5000 करोड़ रुपये तक का निवेश स्व-विवेक** से कर सकती हैं।

➡ **मिनीरत्न**–इस धारणा का प्रारंभ 8 अक्टूबर, 1997 को किया गया था। इसकी **दो श्रेणियां (मिनीरत्न -I और II)** हैं।

➲ कुल मिनीरत्न कंपनियां-73
मिनीरत्न- I; 61
मिनीरत्न-II; 12

➡ **श्रेणी-I के उपक्रम 500 करोड़ रुपये** या अपनी परिसंपत्ति के बराबर, जो भी कम हो, तक का निवेश स्व-विवेक से कर सकते हैं।

➡ **श्रेणी-II के उपक्रम 300 करोड़** रुपये या अपनी परिसंपत्ति का 50 प्रतिशत, जो भी कम हो, तक का निवेश स्व-विवेक से कर सकते हैं।

प्रमुख (कोर) उद्योग क्षेत्र की वृद्धि दरें (% में)

क्षेत्र	भारांक	2019-20	2018-19
कोयला	10.3335	-0.4	7.4
कच्चा तेल	8.9833	-5.9	-4.1
प्राकृतिक गैस	6.8768	-5.6	0.8
रिफाइनरी उत्पाद	28.0376	0.2	3.1
उर्वरक	2.6276	2.7	0.3
इस्पात	17.9166	3.4	5.1
सीमेंट	5.3720	-0.9	13.3
विद्युत	19.8530	0.9	5.2
कुल सूचकांक	100.0000	0.4	4.4

❑ छठी आर्थिक गणना

➡ छठी आर्थिक गणना देश की भौगोलिक सीमाओं के भीतर स्थित सभी उद्यमों की संपूर्ण गणना है।

➡ छठी आर्थिक गणना राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों के सहयोग से देश के सभी राज्यों तथा संघ राज्य क्षेत्र में जनवरी, 2013 से अप्रैल, 2014 के दौरान आयोजित की गई थी।

➡ छठी आर्थिक गणना सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में आयोजित की गई।

➡ निम्नलिखित क्रिया-कलाप छठी आर्थिक गणना के क्षेत्राधिकार से बाहर रखे गए–

➲ आश्रय-रहित उद्यमों तथा घुमन्तू आबादी, जो एक स्थान से दूसरे स्थान घूमती रहती है तथा या तो आश्रय रहित कैंप अथवा कामचलाऊ आश्रय में रहती है।

➲ तस्करी, जुआ खेलने, भिक्षाटन, वेश्यावृत्ति आदि जैसे कुछ अवैध कार्यों में संलग्न उद्यम।

➡ घरेलू नौकर, चाहे वे अनेक परिवारों वाले किसी एक परिवार में कार्यरत हों, चालक, आदि जो दिहाड़ी पर अन्य के लिए कार्य करते हैं।

➡ पारिवारिक कार्यों में संलग्न पारिवारिक सदस्य।

➡ वे परिवार जो किसी लाभप्रद कार्य में नहीं लगे हुए हों अर्थात वे भेजी हुई रकम, किराया, ब्याज, पेंशन आदि जैसे कार्य-कलापों पर निर्भर करते हों।

➡ छठी आर्थिक गणना संबंधी अखिल भारतीय रिपोर्ट 31 मार्च, 2016 को जारी की गई।

➡ छठी आर्थिक गणना आधारित उद्यमों (10 या अधिक कामगार) की राज्य/संघ राज्य-वार निर्देशिकाएं 12 जुलाई, 2016 को जारी की गईं।

➡ छठी आर्थिक गणना संबंधी राज्य स्तरीय रिपोर्टों को 32 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा अंतिम रूप दिया गया।

भारत में आर्थिक गणना

आर्थिक गणना	वर्ष
प्रथम	1977
द्वितीय	1980
तृतीय	1990
चतुर्थ	1998
पंचम	2005
षष्ठम	2013
सप्तम	गणना जारी

➡ आर्थिक गणना में फसल उत्पादन पौध-रोपण, लोक प्रशासन, रक्षा तथा अनिवार्य सामाजिक सुरक्षा को छोड़कर विभिन्न कृषि तथा गैर-कृषि कार्यों में संलग्न सभी उद्यमों की गणना की गई।

➡ हस्तशिल्प/हथकरघा उद्यमों के लिए आंकड़ा पहली बार एकत्र किया गया।

➡ **उद्यम**

➡ छठी आर्थिक गणना (2013) के अनुसार, 58.5 मिलियन उद्यम परिचालन में पाए गए।

➡ 34.8 मिलियन उद्यम (59.48%) ग्रामीण क्षेत्रों में तथा लगभग 23.7 मिलियन उद्यम (40.52%) शहरी क्षेत्रों में अवस्थित थे।

➡ 58.5 मिलियन उद्यमों में से, लगभग 77.6 प्रतिशत उद्यम (45.36 मिलियन) गैर-कृषि कार्यों (लोक प्रशासन, रक्षा तथा अनिवार्य सामाजिक सुरक्षा क्रिया-कलापों को छोड़कर) में लगे हुए थे, जबकि शेष 22.4 प्रतिशत उद्यम (13.13 मिलियन) कृषि कार्यों (फसल उत्पाद और पौध-रोपण को छोड़कर) में लगे हुए पाए गए।

➡ दो आर्थिक गणनाओं (वर्ष 2005 और 2013) में बीच की अवधि के दौरान 41.79 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई।

➡ यह वृद्धि ग्रामीण क्षेत्रों में 38.37 प्रतिशत तथा शहरी क्षेत्रों में 47.13 प्रतिशत थी।

➡ दो आर्थिक गणनाओं (2005 और 2013) के बीच की अवधि के दौरान, गैर-कृषि उद्यमों में 28.97 प्रतिशत की दर से वृद्धि हुई, जबकि कृषि उद्यमों में 115.98 प्रतिशत की दर से वृद्धि हुई।

➡ कुल उद्यमों में से, 22.6 प्रतिशत प्राइमरी सेक्टर से संबंधित है, जिसमें कृषि क्षेत्र 22.45 प्रतिशत का कार्य करते हैं, खनन और उत्खनन 0.15 प्रतिशत, 19.72 प्रतिशत जो मध्यवर्ती क्षेत्र (निर्माण जो 1.66% के योगदान सहित) से संबंधित है तथा 57.68 प्रतिशत तृतीयक क्षेत्र से संबंधित है।

➡ शीर्ष पांच राज्य अर्थात उत्तर प्रदेश (11.43%), महाराष्ट्र (10.49%), पश्चिम बंगाल (10.1%), तमिलनाडु (8.6%) तथा आंध्र प्रदेश (7.25%) में देश के कुल उद्यम संख्या का लगभग 50 प्रतिशत की गणना की गई।

➡ पशुधन कृषि क्षेत्र का प्रमुख आर्थिक कार्य कलाप (86.74%) रहा।

➡ गैर-कृषि क्षेत्र में खुदरा व्यापार (35.41%) तथा इसके बाद विनिर्माण (22.77%) प्रबल रहा।

➡ राज्यों में, वर्ष 2005-2013 के दौरान उद्यमों की अधिकतम वृद्धि दर मणिपुर में (121.07%) देखी गई और इसके बाद असम (107.99%) तथा सिक्किम (100.07%) का स्थान था।

➡ 73.7 प्रतिशत उद्यम हिंदू स्वामित्व वाले थे, 13.8 प्रतिशत इस्लाम अनुयायियों के थे, 2.6 प्रतिशत ईसाई धर्म मानने वालों के तथा शेष (9.9%) अन्य धर्मों के थे।

➡ **रोजगार**

➡ लगभग 131.29 मिलियन व्यक्ति 58.5 मिलियन उद्यमों में नियोजित पाए गए।

➡ कुल 131.29 मिलियन व्यक्तियों में से 67.89 प्रतिशत मिलियन व्यक्ति (51.71%) ग्रामीण क्षेत्रों में नियोजित तथा 63.4 मिलियन व्यक्ति (48.29%) शहरी क्षेत्रों में नियोजित थे।

➡ कृषि उद्यम ने लगभग 22.8 मिलियन व्यक्तियों (17.42%) को रोजगार प्रदान किया तथा गैर-कृषि उद्यमों ने लगभग 108.41 मिलियन व्यक्तियों (82.58%) को रोजगार मुहैया कराया।

➡ वर्ष 2005 से रोजगार की वृद्धि दर 38.13 प्रतिशत रही।

➡ रोजगार प्राप्त कुल 131.29 मिलियन व्यक्ति में 98.25 मिलियन व्यक्ति (74.83%) पुरुष तथा 33.04 मिलियन व्यक्ति 25.17 प्रतिशत महिलाएं थीं।

➡ विनिर्माण क्षेत्र सबसे बड़ा नियोजक था, जिसमें 30.3 मिलियन (23.1%) व्यक्तियों को रोजगार मिला हुआ था।

➡ शीर्ष पांच राज्यों यथा- महाराष्ट्र (11.05%), उत्तर प्रदेश (10.75%), पश्चिम बंगाल (9.07%), तमिलनाडु (8.91%) तथा गुजरात (7.32%) देश के कुल रोजगार में लगभग आधा हिस्सा था।

➡ सबसे अधिक रोजगार वृद्धि दर मणिपुर (93.57%) में, इसके बाद असम (89.32%) तथा उत्तर प्रदेश में (79.94%) देखी गई।

➡ **महिला उद्यमी**

➡ महिला उद्यमियों के स्वामित्व वाले कुल उद्यमों की संख्या 8.05 मिलियन (13.76%) थी।

➡ इन उद्यमों में 13.45 मिलियन व्यक्तियों (10.24%) को रोजगार मिला हुआ था, जिनमें से 83.19 प्रतिशत उद्यमों में नियोजित मजदूर नहीं थे।

➡ महिला उद्यमियों के तहत करीब 34.3 प्रतिशत उद्यम कृषि संबंधी गतिविधियों से संबंधित थे, जिनमें सबसे अधिक शेयर 31.6 प्रतिशत पशुधन का था।

➡ महिला स्वामित्व वाले विनिर्माण तथा खुदरा व्यापार का तदनुसार प्रतिशत सबसे अधिक क्रमश: 29.8 प्रतिशत तथा 17.8 प्रतिशत था।

➡ राज्यों में, महिला स्वामित्व वाले उद्यमों में तमिलनाडु (13.51) का सबसे बड़ा शेयर था, तत्पश्चात केरल (11.35%), आंध्र प्रदेश (10.556%), पश्चिम बंगाल (10.33%) तथा महाराष्ट्र (8.25%) था।

➡ महिला स्वामित्व वाले उद्यमों में प्रति उद्यम औसत रोजगार 1.67 था।

➡ **हस्तशिल्प/हथकरघा**

➡ कुल हस्तशिल्प/हथकरघा उद्यमों की संख्या 1.87 मिलियन (1.71%) थी।

➡ इन उद्यमों में 4.2 मिलियन व्यक्तियों (3.12%) को रोजगार मिला था।

➡ कुल उद्यमों में 78.9 प्रतिशत बिना नियोजित मजदूर थे।

➡ हस्तशिल्प/हस्तकरघा उद्यमों का करीब 67.0 प्रतिशत उद्यम परिवार से बाहर स्थित थे जिसकी न तो पक्की संरचना थी और न वे परिवार में स्थित थे।

➡ कुल हस्तशिल्प/हथकरघा उद्यमों में राज्यों में पश्चिम बंगाल का शेयर सबसे अधिक (17.62%) था, इसके बाद उत्तर प्रदेश (16.55%), ओडिशा (7.8%), आंध्र प्रदेश (7.54%) तथा तमिलनाडु (6.8%) था।

➡ हस्तशिल्प/हथकरघा उद्यमों में प्रति उद्यम औसत रोजगार 2.24 था।

❑ सातवीं आर्थिक गणना

➡ सातवीं आर्थिक गणना के क्षेत्र कार्य की शुरुआत 29 जुलाई, 2019 को त्रिपुरा से की गई। इसके बाद यह कार्य पुडुचेरी में किया जाएगा। अन्य राज्यों/संघ शासित प्रदेशों में क्षेत्र कार्य अगस्त/सितंबर, 2019 में शुरू हुआ। क्षेत्र कार्य के सत्यापन और प्रमाणीकरण के बाद इसके परिणाम उपलब्ध होंगे।

❑ उपभोक्ता मूल्य सूचकांक

➡ 12 मई, 2017 को 'केंद्रीय सांख्यिकी कार्यालय' (CSO) और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने जनवरी, 2015 माह से जारी होने वाले 'उपभोक्ता मूल्य सूचकांक' (CPI) के आधार वर्ष को संशोधित करते हुए अगस्त 2010 = 100 की जगह, अगस्त 2012 = 100 कर दिया है।

➡ निम्नलिखित टेबल में जुलाई, 2020 माह के लिए आधार 2012 =100 पर उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (ग्रामीण, शहरी, संयुक्त) जारी किए गए। इसके अलावा, जुलाई, 2020 के लिए अखिल भारतीय, ग्रामीण, शहरी और संयुक्त के उपभोक्ता खाद्य मूल्य सूचकांक भी जारी किए गए हैं। सामान्य सूचकांक और उपभोक्ता खाद्य मूल्य सूचकांक पर आधारित अखिल भारत मुद्रास्फीति दरें (बिंदु-दर-बिंदु आधार पर) निम्नानुसार हैं–

सीपीआई (सामान्य) तथा सीएफपीआई पर आधारित अखिल भारतीय मुद्रास्फीति दरें (% में)						
सूचकांक	जुलाई, 2020 (अनंतिम)			जून, 2020 (अंतिम)		
	ग्रामीण	शहरी	संयुक्त	ग्रामीण	शहरी	संयुक्त
सीपीआई (सामान्य)	7.04	6.84	6.93	6.34	6.12	6.23
सीएफपीआई	9.89	9.05	9.62	8.84	8.58	8.72

➡ इसी के साथ मंत्रालय ने औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (IIP) का भी आधार वर्ष संशोधित करते हुए वर्ष 2004-05= 100 की जगह वर्ष 2011-12 = 100 कर दिया है।

➡ 12 मई , 2017 को ही 'आर्थिक सलाह का कार्यालय' भारत सरकार, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, औद्योगिक नीति एवं संवर्धन विभाग द्वारा अखिल भारतीय थोक मूल्य सूचकांक (WPI) के आधार वर्ष को संशोधित करते हुए वर्ष 2004-05 = 100 की जगह वर्ष 2011-12 = 100 कर दिया है। थोक मूल्य सूचकांक की यह सातवीं शृंखला है। इससे पूर्व की शृंखलाएं निम्न हैं– 1952-53, 1961-62, 1970-71, 1981-82, 1993-94 और वर्ष 2004-05

परिवहन क्षेत्र

➡ वार्षिक रिपोर्ट 2019-20 के अनुसार, भारत का सड़क नेटवर्क लगभग 58.98 लाख किमी. है, जो कि विश्व का दूसरा सबसे बड़ा नेटवर्क है।

➡ नवंबर, 2019 तक प्लास्टिक कचरे का 56.96 किमी. लंबी सड़क में उपयोग किया गया।

➡ राज्य सहायता कार्यक्रम का उद्देश्य राज्यों को अपनी सड़क सुरक्षा कार्यक्रम में सुधार लाने के लिए प्रोत्साहित करना है।

➡ इसके अलावा वर्ष 2024 तक सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मृत्यु दर में 25 प्रतिशत तक कमी लाने का प्रस्ताव है।

➡ सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने भारत में सड़क दुर्घटनाएं, 2018 पर अपना वार्षिक प्रकाशन जारी किया है।

➡ रिपोर्ट के अनुसार, देश में सड़क दुर्घटनाओं में वर्ष 2018 के दौरान 0.46 प्रतिशत की मामूली वृद्धि हुई है।

➡ वर्ष 2017 की तुलना में वर्ष 2018 के दौरान मृत्यु दर में लगभग 2.37 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

➡ सड़क दुर्घटना में लगने वाली चोटों में वर्ष 2017 की तुलना में वर्ष 2018 में 0.33 प्रतिशत की कमी दर्ज हुई है।

भारतीय रेलवे महत्वपूर्ण आंकड़े				
क्र.सं.	मद	यूनिट	2017-18 (संशो.)	2018-19
रेल नेटवर्क				
1.	मार्ग किमी.			
(i)	ब.ला. (बड़ी लाइन) (Broad gauge)	किमी.	62049	62891
(ii)	मी.ला. (मीटर गेज/लाइन)	किमी.	3201	2839
(iii)	छो.ला. (छोटी लाइन)	किमी.	1685	1685
(iv)	कुल (सभी आमान)	किमी.	66935	67415
2.	चालू रेलपथ किमी. (कुल सभी आमान)	किमी.	94270	95981
3.	कुल रेल पथ किमी. (कुल सभी आमान)	किमी.	122873	123542
4.	विद्युतीकृत मार्ग किमी. (कुल सभी आमान)	किमी.	29228	34319
	रेलवे स्टेशन की संख्या		7318	7321

➡ सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास के लिए सीधे जिम्मेदार है।

➡ चार महानगरों दिल्ली, मुंबई, चेन्नई तथा कोलकाता को स्वर्णिम चतुर्भुज से जोड़ने तथा कन्याकुमारी को श्रीनगर से और पोरबंदर को सिलचर से जोड़ने वाले उत्तर-दक्षिण तथा पूर्व-पश्चिम महामार्गों के लिए मौजूदा राजमार्गों का उन्नयन करने हेतु राष्ट्रीय राजमार्ग विकास परियोजना (एनएचडीपी) शुरू की गई।

➡ इसके अतिरिक्त वर्ष 2014-15 से 2018-19 की अवधि के दौरान सड़क क्षेत्र की प्रमुख उपलब्धियों में ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेसवे और धोला-सदिया ब्रिज का निर्माण शामिल था। जो असम को अरुणाचल प्रदेश से जोड़ता है, जबकि ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेसवे दिल्ली के मार्गों से भीड़ को कम करते हुए वाहनों को वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध कराता है।

➡ देश में सभी श्रेणी की सड़कों के लिए बढ़ते हुए वित्त की आवश्यकता की चुनौती से निपटने के लिए 30 जुलाई, 2018 को राष्ट्रपति द्वारा अनुमोदित आदेश के तहत 'केंद्रीय सड़क और बुनियादी ढांचा निधि' (पूर्व नाम-केंद्रीय सड़क निधि) को वित्त मंत्रालय के अंतर्गत लाया गया है।

➡ सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के पास भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI), राष्ट्रीय राजमार्ग इंजीनियर प्रशिक्षण संस्थान (NITHE) भारतीय सड़क कांग्रेस (IRC) और भारतीय राष्ट्रीय ग्रुप-अंतरराष्ट्रीय पुल और संरचना इंजीनियर संस्था (ING-IABSE) की प्रशासनिक जिम्मेदारियां भी हैं।

राष्ट्रीय राजमार्ग का राज्यवार वितरण (30.09.2019 तक)

क्र.सं.	राज्य/संघ शासित क्षेत्र	लंबाई (किमी. में)
(1)	आंध्र प्रदेश	6913.5
(2)	अरुणाचल प्रदेश	2537.4
(3)	असम	3908.5
(4)	बिहार	5357.6
(5)	चंडीगढ़	15.3
(6)	छत्तीसगढ़	3605.8
(7)	दिल्ली	157.1
(8)	गोवा	292.9
(9)	गुजरात	6635.0
(10)	हरियाणा	3165.7
(11)	हिमाचल प्रदेश	2606.9
(12)	जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख	2423.2
(13)	झारखंड	3366.8
(14)	कर्नाटक	7334.8
(15)	केरल	1781.6
(16)	मध्य प्रदेश	8772.3
(17)	दादरा नगर हवेली	31.0
(18)	महाराष्ट्र	17756.6
(19)	मणिपुर	1750.3
(20)	मेघालय	1155.6
(21)	मिजोरम	1422.5
(22)	नगालैंड	1547.7
(23)	ओडिशा	5761.5
(24)	पुडुचेरी	26.9
(25)	पंजाब	3274.1
(26)	राजस्थान	10341.8
(27)	सिक्किम	463.0
(28)	तमिलनाडु	6741.5
(29)	त्रिपुरा	853.8
(30)	तेलंगाना	3795.5
(31)	उत्तर प्रदेश	11736.8
(32)	उत्तराखंड	2949.3
(33)	प. बंगाल	3664.5
(34)	अंडमान और निकोबार	330.7
(35)	दमन और दीव	22.0
	कुल	132499.5

सागरमाला के अंतर्गत परियोजनाओं का सारांश # परियोजना

क्र. सं.	परियोजना की विषय वस्तु	कुल		संपूर्ण		कार्यान्वयन के अधीन	
		#	परियोजना लागत (करोड़ रु.)	#	परियोजना लागत (करोड़ रु.)	#	परियोजना लागत (करोड़ रु.)
1.	पत्तन आधुनिकीकरण	206	78,611	81	24,113	59	24,288
2.	संपर्कता वृद्धि	201	1,28,786	38	9,416	88	91,157
3.	पत्तन आधारित औद्योगिकीकरण	34	1,42,457	8	45,300	23	96,046
4.	तटीय सामुदायिक विकास	59	5,300	16	1,403	20	954
	कुल	**500**	**3,55,154**	**143**	**80,233**	**190**	**2,12,445**

❑ पोत परिवहन

➡ पोत परिवहन मंत्रालय का गठन वर्ष 2009 में पूर्ववर्ती पोत परिवहन, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय का दो स्वतंत्र मंत्रालयों में विभाजन करके किया गया।

➡ देश का लगभग 95 प्रतिशत व्यापार मात्रात्मक रूप में तथा 70 प्रतिशत मूल्य के रूप में, समुद्री परिवहन से संचालित होता है।

➡ भारत के पास करीब 7516.6 किमी. लंबी तटीय सीमा रेखा है, जो मुख्यभूमि के पश्चिमी और पूर्वी छोरों सहित द्वीपों की दिशा में भी फैला हुआ है।

➡ यह देश के व्यापार के लिए एक महत्वपूर्ण प्राकृतिक संसाधन है।

➡ 106 नए जलमार्गों को 'राष्ट्रीय जलमार्ग' घोषित करने के लिए राष्ट्रीय जलमार्ग अधिनियम, 2016 को संसद के दोनों सदनों द्वारा पारित कर दिया गया है तथा भारत के राजपत्र में 26 मार्च, 2016 को वर्ष 2016 के अधिनियम सं. 17 के रूप में अधिसूचित कर दिया गया है।

➡ यह अधिनियम 12 अप्रैल, 2016 से लागू हुआ है।

➡ जुलाई, 2018 तक भारत में कुल 111 राष्ट्रीय जलमार्ग थे।

➡ वर्ष 2015-16 के बाद से तटीय पोत परिवहन यातायात बढ़ा है।

➡ वर्ष 2018-19 में तटीय कार्गो की वृद्धि 14.3 प्रतिशत रही, जबकि एक्जिम कार्गो की वृद्धि 4.9 प्रतिशत रही है।

➡ सागरमाला कार्यक्रम की शुरुआत में तटीय कार्गो कुल कार्गो की मात्रा का 12 प्रतिशत था, जबकि वर्ष 2018-19 में यह बढ़कर 20 प्रतिशत हो गया है।

➡ सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन मैरीटाइम एंड शिपबिल्डिंग (CEMS), एशिया में अपनी तरह का पहला परिसर है, जिसमें कुल 24 प्रयोगशालाएं (आईआरएस मुंबई में 6 प्रयोगशालाएं और विशाखापत्तनम में भारतीय समुद्री विश्वविद्यालय परिसर में 18 प्रयोगशालाएं) स्थापित की गई हैं।

➡ आईआईटी खड़गपुर में अंतर्देशीय और तटीय समुद्री प्रौद्योगिकी केंद्र (CICMT) का गठन किया गया है।

➡ जुलाई, 2019 में सीआईसीएमटी के लिए आईआईटी खड़गपुर और पोत परिवहन मंत्रालय के मध्य समझौता-ज्ञापन हस्ताक्षरित किया गया था।

➡ परियोजना की लागत 69.20 करोड़ रु. है और इसे पोत परिवहन मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित किया गया है।

❑ वायु परिवहन

➡ आरंभिक तौर पर नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो की स्थापना पांडे समिति की सिफारिशों पर जनवरी, 1978 में नागर विमानन महानिदेशालय में एक प्रकोष्ठ के रूप में हुई थी।

➡ 1 अप्रैल, 1997 को नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो की पुनःस्थापना नागर विमानन मंत्रालय में एक स्वतंत्र विभाग के रूप में हुई।

Join Whatsapp-9354061017

भारतीय रेलवे जोन और उनके मुख्यालय		
उत्तर रेलवे	-	दिल्ली
पूर्वोत्तर रेलवे	-	गोरखपुर
पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे	-	मालीगांव (गुवाहाटी)
पूर्व रेलवे	-	कोलकाता
दक्षिण-पूर्व रेलवे	-	कोलकाता
दक्षिण-मध्य रेलवे	-	सिकंदराबाद
दक्षिण रेलवे	-	चेन्नई
मध्य रेलवे	-	मुंबई (CSMT)
पश्चिम रेलवे	-	मुंबई (चर्चगेट)
दक्षिण-पश्चिम रेलवे	-	हुबली
उत्तर-पश्चिम रेलवे	-	जयपुर
पश्चिम-मध्य रेलवे	-	जबलपुर
उत्तर-मध्य रेलवे	-	प्रयागराज
दक्षिण-पूर्व मध्य रेलवे	-	बिलासपुर
ईस्ट कोस्ट रेलवे	-	भुवनेश्वर
पूर्व मध्य रेलवे	-	हाजीपुर
कोलकाता मेट्रो	-	कोलकाता
दक्षिण तटीय रेलवे	-	विशाखापत्तनम

➡ नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो के मुख्य उत्तरदायित्व में भारत में अंतरराष्ट्रीय तथा घरेलू हवाई अड्डों पर नागरिक उड़ानों के संबंध में मानकों तथा उपायों का निर्धारित करना शामिल है।

➡ नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो का मुख्य कार्यालय नई दिल्ली में स्थित है।

➡ इसके चार क्षेत्रीय कार्यालय अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों यथा- दिल्ली, मुंबई, कोलकाता तथा चेन्नई में स्थित हैं। वर्ष 2018-19 के दौरान भारतीय अनुसूचित घरेलू हवाई परिवहन में यात्रियों और सामान के परिवहन में क्रमशः 14 प्रतिशत व 12 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

➡ वर्ष 2018-19 के दौरान कुल घरेलू और अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की संख्या 204 मिलियन दर्ज की गई थी।

❑ भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण

➡ भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) का गठन 1 अप्रैल, 1995 को राष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एनएआई) तथा अंतरराष्ट्रीय विमानपत्तनन प्राधिकरण (आईएएआई) के विलय द्वारा हुआ।

➡ एएआई व्यावसायिक एयरलाइन संचालन के लिए डिफेंस हवाई क्षेत्रों सहित 125 हवाई अड्डों का रख-रखाव और संचालन करता है। जिसमें 11 अंतरराष्ट्रीय विमानपत्तन, 8 सीमा शुल्क विमानपत्तन, 81 घरेलू विमानपत्तन तथा रक्षा वायु क्षेत्रों में 25 सिविल एंक्लेव शामिल हैं।

प्रशिक्षण

➡ भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण का नागर विमानन प्रशिक्षण कॉलेज प्रयागराज में है, जो वायु यातायात नियंत्रण रडार और संचार जैसे संचालन क्षेत्रों का प्रशिक्षण उपलब्ध कराता है।

➡ एएआई का राष्ट्रीय विमानन प्रबंध और अनुसंधान संस्थान नई दिल्ली में है, जहां विभिन्न विमानन प्रबंध कार्यक्रमों के प्रशिक्षण और पुनश्चर्या पाठ्यक्रमों के संचालन की व्यवस्था है।

➡ इनके अतिरिक्त कोलकाता के निकट नारायणपुर में अग्निशमन सेवा प्रशिक्षण स्कूल तथा नई दिल्ली में अग्निशमन प्रशिक्षण केंद्र है, जहां आग से बचाव संबंधी पुनश्चर्या और प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए जाते हैं।

❑ 'उड़ान' योजना

➡ 27 अप्रैल, 2017 को प्रधानमंत्री ने 'उड़े देश का आम नागरिक' (Ude Desh ka Aam Nagrik : UDAN) नामक क्षेत्रीय संपर्क योजना को शिमला हवाई अड्डे से लांच किया।

➡ यह विश्व में अपने तरह की पहली योजना है, जिसके तहत क्षेत्रीय हवाई मार्गों पर किफायती और आर्थिक रूप से व्यवहार्य उड़ानें संचालित की जाएंगी।

❑ कैबिनेट द्वारा नागर विमानन नीति को मंजूरी

➡ 15 जून, 2016 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में नागर विमानन नीति को अपनी स्वीकृति प्रदान की है। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद ये पहला ऐसा अवसर है जब नागर विमानन मंत्रालय द्वारा एक संपूर्ण नागर विमानन नीति लाई गई है।

रेलवे से संबंधित अद्यतन तथ्य

➡ पश्चिम-मध्य रेलवे के जबलपुर मंडल में बैटरी से से चलने वाले ड्यूल मोड शंटिंग लोको 'नवदूत' का निर्माण किया गया। इसका परीक्षण सफल रहा।

➡ जुलाई, 2020, में भारतीय रेल ने नया कीर्तिमान स्थापित करते हुए 'शेषनाग' ट्रेन का संचालन किया जो 2.8 किमी. लंबी ट्रेन है।

➡ 'शेषनाग' ट्रेन में 6000 हॉर्स पॉवर की क्षमता वाले 4 इलेक्ट्रिक इंजन लगाए गए थे।

➡ इसे 251 वैगन यानी डब्बों के साथ नागपुर डिवीजन से कोरवा के बीच चलाया गया।

➡ जून, 2020 में 'सुपर एनाकोंडा' ट्रेन का संचालन बिलासपुर और चक्रधरपुर डिवीजन के मध्य किया गया था।

➡ इसकी लंबाई 2.0 किमी. है।

➡ इसमें 6000 हॉर्स पॉवर की क्षमता वाले 3 इलेक्ट्रिक इंजन लगाए गए थे।

➡ इसकी अधिकतम रफ्तार 60 किमी. प्रति घंटा थी।

➡ इसमें 177 लोडेड वैगन लगे थे, जिस पर 15000 टन वजन लोड था।

➡ अक्टूबर, 2019 में लखनऊ-नई दिल्ली मार्ग पर आईआरसीटीसी द्वारा देश की पहली निजी ट्रेन 'तेजस एक्सप्रेस' का संचालन प्रारंभ किया गया।

➡ जनवरी, 2020 में अहमदाबाद - मुंबई के मध्य आईआरसीटीसी द्वारा देश की दूसरी निजी ट्रेन 'तेजस एक्सप्रेस' का संचालन प्रारंभ किया गया।

➡ हाल ही में रेल मंत्रालय ने 151 आधुनिक रेलगाड़ियों (रेक्स) के आवागमन हेतु 109 जोड़ी मूल गंतव्यों (OD) के लिए यात्री रेल सेवाओं के संचालन में निजी भागीदारी के लिए अर्हता आवेदन आमंत्रित किए हैं।

➡ पूरे रेलवे नेटवर्क को 12 समूहों में बांटा गया है और इन्हीं में 109 जोड़ी निजी रेलगाड़ियां चलेंगी।

➡ प्रत्येक ट्रेन में न्यूनतम 16 कोच होंगे।

➡ इस परियोजना में निजी क्षेत्र का लगभग 30,000 करोड़ रुपये का निवेश होगा।

➡ रेलगाड़ियों की अधिकतम गति सीमा 160 किमी. प्रति घंटे होगी।

➡ नागर विमानन नीति के मुख्य अंश निम्नलिखित हैं–

- भारत को वर्ष 2022 तक 9वें से तीसरा सबसे बड़ा नागर विमानन बाजार बनाना।
- घरेलू टिकटिंग को वर्ष 2015 में 8 करोड़ से बढ़ाकर वर्ष 2022 तक 30 करोड़ करना।
- मालवाहक सामान की मात्रा को वर्ष 2027 तक 4 गुना बढ़ाकर 10 मिलियन टन करना।
- आम आदमी तक विमान सेवाओं को सुलभ बनाना-बिना सेवा वाले हवाई अड्डों पर क्षेत्रीय संपर्क योजना के अंतर्गत एक घंटे के सफर के लिए अधिकतम किराया 2500 रुपये।
- अंतरराष्ट्रीय विमान सेया शुरू करने के लिए 5 वर्ष घरेलू विमान सेवा देने के शर्त की समाप्ति।
- लचीली और मुक्त 'ओपन स्काई' और 'कोड शेयर' समझौते।
- रख-रखाव और मरम्मत संचालन (एमआरओ) को प्रोत्साहन देकर दक्षिण एशिया में प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित करना।
- वर्ष 2025 तक गुणवत्ता प्रमाणित 3.3 लाख कुशल कर्मिकों की आसान उपलब्धता सुनिश्चित करना।
- ग्रीन फील्ड हवाई अड्डों और हेलिकॉप्टर अड्डों का विकास।
- नियमों में ढील, आसान प्रक्रिया और ई-गवर्नेंस द्वारा व्यापार करने में सुगमता को बढ़ाना।
- नागर विमानन क्षेत्र में 'मेक इन इंडिया' को प्रोत्साहन देना।

❑ एअर कार्गो पॉलिसी, 2019

➡ जनवरी, 2019 में भारत सरकार ने नेशनल एअर कार्गो पॉलिसी की रूपरेखा, 2019 जारी की जिसमें भारतीय एअर कार्गो और लॉजिस्टिक्स को अगले दशक के अंत तक वैश्विक रूप से सबसे कुशल, सहज और लागत व समय प्रभावी बनाने की परिकल्पना की गई है।

➡ 19 अगस्त, 2020 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (AAI) के जयपुर, गुवाहाटी और तिरुवनंतपुरम हवाई अड्डों को सार्वजनिक निजी भागीदारी (PPP) योजना के तहत पट्टे पर दिए जाने की मंजूरी दे दी है।

➡ मंत्रिमंडल ने परिचालन, प्रबंधन और विकास के लिए उपर्युक्त तीनों हवाई अड्डों को 50 वर्ष के लिए अडानी इंटरप्राइजेज लिमिटेड को दिए जाने की स्वीकृति दी है।

➡ सरकार ने एएआई के दिल्ली और मुंबई हवाई अड्डों को सार्वजनिक-निजी भागीदारी के तहत परिचालन, प्रबंधन और विकास के लिए करीब एक दशक पहले ही पट्टे पर दे दिया था।

वैदेशिक क्षेत्र

❑ मार्चांत, 2020 : भारत का विदेशी ऋण

मानक परिपाटियों के अनुसार भारत के विदेशी ऋण संबंधी आंकड़े त्रैमासिक आधार पर प्रसारित किए जाते हैं। कैलेंडर वर्ष (जनवरी-मार्च और जून-अप्रैल) की पहली दो तिमाहियों के लिए आंकड़े भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) द्वारा संकलित और जारी किए जाते हैं, जबकि आखिरी दो तिमाहियों (जुलाई-सितंबर और अक्टूबर-दिसंबर) के लिए आंकड़े भारत सरकार के वित्त मंत्रालय द्वारा जारी किए जाते हैं। मार्चांत, 2020 में भारत के विदेशी ऋण से संबंधित तथ्य निम्न हैं–

➡ भारत का विदेशी ऋण स्टॉक मार्चांत, 2019 की तुलना में मार्चांत, 2020 में लगभग 15.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर (2.8%) की वृद्धि के साथ 558.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर रहा।

➡ इस अवधि के दौरान विदेशी ऋण में वृद्धि मुख्य रूप से वाणिज्यिक उधारी तथा अनिवासी जमा में वृद्धि के कारण हुई है।

➡ सकल घरेलू उत्पाद (GDP) अनुपात में विदेशी ऋण मार्चांत, 2020 में 20.6 प्रतिशत रहा।

➡ मार्चांत, 2020 में दीर्घावधिक विदेशी ऋण भारत के कुल विदेशी ऋण का लगभग 80.9 प्रतिशत था, जबकि शेष (लगभग 19.1 %) अल्पावधिक विदेशी ऋण था।

➡ मार्चांत, 2020 में दीर्घावधिक विदेशी ऋण 451.7 बिलियन अमेरिकी डॉलर था जो मार्चांत, 2019 के स्तर की तुलना में 17.0 बिलियन अमेरिकी डॉलर की वृद्धि प्रदर्शित करता है।

➡ अल्पावधिक विदेशी ऋण में मार्चांत, 2020 में 106.9 बिलियन अमेरिकी डॉलर के स्तर पर रहा तथा कुल ऋण में इसकी लगभग 19.1 प्रतिशत हिस्सेदारी थी।

➡ भारतीय रुपये और अन्य प्रमुख मुद्राओं की तुलना में अमेरिकी डॉलर की मूल्यवृद्धि के कारण मूल्य निर्धारण लाभ 16.6 बिलियन अमेरिकी डॉलर रहा।

➡ मूल्य निर्धारण प्रभाव को छोड़कर, बाह्य ऋण में वृद्धि मार्चांत, 2019 की तुलना में मार्चांत, 2020 में 15.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर के बजाय 32.0 बिलियन अमेरिकी डॉलर होगी।

➡ वाणिज्यिक उधार विदेशी ऋण का सबसे बड़ा घटक रहा, जिसकी हिस्सेदारी 39.4 प्रतिशत है।

➡ इसके बाद अनिवासी जमाएं 23.4 प्रतिशत तथा अल्पावधिक व्यापार क्रेडिट 18.2 प्रतिशत रहा।

➡ मार्च अंत, 2020 में भारत के कुल विदेशी ऋण स्टॉक में अमेरिकी डॉलर का सर्वाधिक हिस्सा 53.7 प्रतिशत पर बना हुआ है, जिसके बाद भारतीय रुपया (31.9%), एसडीआर (4.5%), जापानी येन (5.6%), यूरो (3.5%) का स्थान आता है।

➡ बाह्य ऋण में अल्पावधिक ऋण (एक वर्ष की मूल परिपक्वता के साथ) की हिस्सेदारी मार्चांत, 2019 के 20.0 प्रतिशत से घटकर मार्चांत, 2020 में 19.1 प्रतिशत हो गई।

➡ विदेशी मुद्रा भंडारों की तुलना में अल्पावधिक ऋण (मूल परिपक्वता) का अनुपात मार्चांत, 2020 में घटकर 22.4 प्रतिशत हो गया (मार्चांत, 2019 में 26.3%)।

➡ अवशिष्ट परिपक्वता आधार पर अल्पावधिक ऋण (अर्थात ऋणदेयताएं जिसमें मूल परिपक्वता वाला दीर्घावधि ऋण शामिल है, जो अगले 12 महीनों लिए देय है तथा मूल परिपक्वता वाला अल्पावधिक ऋण शामिल है) की मार्च, 2020 के

अंत में कुल बाह्य ऋण में 42.4 प्रतिशत की हिस्सेदारी रही (मार्चांत, 2019 में 43.4 प्रतिशत) तथा यह विदेशी मुद्रा भंडार का 49.5 प्रतिशत (मार्चांत, 2019 में 57.0 प्रतिशत) रहा।

➡ रियायती ऋण और कुल विदेशी ऋण का अनुपात मार्चांत, 2020 में 8.6 प्रतिशत था, जबकि मार्चांत, 2019 में 8.7 प्रतिशत था।

➡ ऋण सेवा (मूल पुनर्भुगतान + ब्याज भुगतान) मार्चांत 2019 के 6.4 प्रतिशत की तुलना में मार्चांत, 2020 में बढ़कर चालू प्राप्तियों का 6.5 प्रतिशत हो गया, जो वाणिज्यिक उधारों की अधिक अदायगी को दर्शाता है।

मार्चांत, 2020 में भारत के विदेशी ऋण की मुद्रा संरचना (प्रतिशत में)

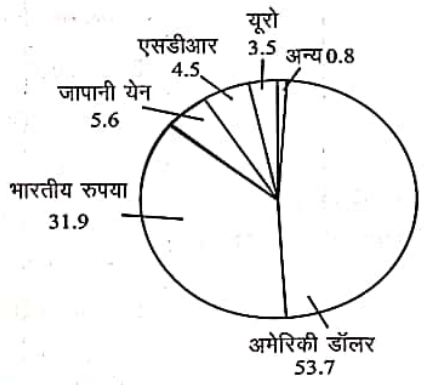

भारत के विदेशी ऋण की संरचना (बिलियन अमेरिकी डॉलर में)

क्रम सं.	घटक	मार्चांत, 2019 (अंशतः संशोधित)	मार्चांत, 2020 (अनं.)	मार्चांत, 2019 की तुलना में मार्चांत, 2020 में प्रतिशत परिवर्तन
1.	बहुपक्षीय	57.5	60.0	4.3
2.	द्विपक्षीय	25.6	27.2	6.0
3.	अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष	5.5	5.4	-1.7
4.	व्यापार ऋण	7.9	7.2	-9.5
5.	वाणिज्यिक उधार	206.6	220.3	6.7
6.	अनिवासी जमा राशियां	130.4	130.6	0.1
7.	रुपया ऋण	1.2	1.0	-11.7
8.	दीर्घावधिक ऋण (मूल परिपक्वता)@	434.7	451.7	3.9
9.	अल्पावधिक ऋण (मूल परिपक्वता)#	108.4	106.9	-1.4
10.	कुल विदेशी ऋण	543.1	558.5	2.8

@ : एक वर्ष से ऊपर की मूल परिपक्वता के साथ ऋण

: एक वर्ष तक की मूल परिपक्वता के साथ ऋण

❑ भारत का विदेशी व्यापार एवं भुगतान संतुलन

➡ 2018-19 में 180.3 बिलियन अमेरिकी डॉलर से 2019-20 में 157.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर के व्यापार घाटे के संकुचन के कारण 2019-20 में चालू खाता घाटा जीडीपी का 0.9 प्रतिशत तक सीमित रहा, जो कि 2018-19 में 2.1 प्रतिशत था।

➡ मुख्यतः निवल सेवाओं की आय में वृद्धि और निजी हस्तांतरण प्राप्तियों के कारण निवल अदृश्य प्राप्तियां 2019-20 में अधिक थीं।

➡ 2019-20 में 43.0 बिलियन अमेरिकी डॉलर की नेट एफडीआई अंतर्वाह 2018-19 में 30.7 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक था।

➡ पोर्टफोलियो निवेश एक वर्ष पहले 2.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर के बहिर्वाह की तुलना में 2019-20 में 1.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर बढ़ गया।

➡ 2019-20 में विदेशी मुद्रा भंडार (बीओपी आधार पर) में 59.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर की अभिवृद्धि हुई।

द्विपक्षीय व्यापार अधिशेष/घाटा

(बिलियन यू.एस. डॉलर में मूल्य)

देश		2017-18	2018-19	2019-20 (अप्रैल-नवंबर)
व्यापार अधिशेष देश	संयुक्त राज्य अमेरिका	21.27	16.86	10.91
	संयुक्त अरब अमीरात	6.41	0.34	0.25
व्यापार घाटा देश	चीन	-63.05	-53.57	-35.32
	सऊदी अरब	-16.66	-22.92	-14.32
	इराक	-16.15	-20.58	-13.98
	जर्मनी	-4.61	-6.26	-3.09
	कोरिया गणराज्य	-11.90	-12.05	-7.80
	इंडोनेशिया	-12.48	-10.57	-6.99
	स्विट्जरलैंड	-17.84	-16.90	-11.97
	हांगकांग	4.01	-4.99	-3.88
	सिंगापुर	2.74	-4.71	-3.15

ऊर्जा क्षेत्र

➡ भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास में विद्युत क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका है और यह तेज गति के साथ विकास की ओर अग्रसर है।

➡ 31 जुलाई, 2020 तक पॉवर स्टेशनों की अखिल भारतीय कुल संस्थापित क्षमता 371.976 गीगावॉट पर पहुंच गई है, जिसके उत्पादन मिश्रण में तापीय (62.2%), पनबिजली (12.3%), अक्षय ऊर्जा (23.7%) और न्यूक्लियर ऊर्जा (1.8%) का योगदान है।

➡ सितंबर, 2017 में शुरू की गई सौभाग्य योजना के तहत म.प्र., त्रिपुरा, बिहार, जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड, मिजोरम, सिक्किम, तेलंगाना और पश्चिम बंगाल ने घरेलू विद्युतीकरण में शत प्रतिशत संतृप्ति हासिल की है।

➡ इस प्रकार देश में कुल 30 राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों में लगभग 100 प्रतिशत घरेलू विद्युतीकरण है।

➡ ऊर्जा घाटा 2013-14 में 4.2 प्रतिशत था, जो 2018-19 में घटकर 0.6 प्रतिशत हो गया। इस अवधि के दौरान मुख्य घाटा (Peak Deficit) भी कम होकर 0.8 प्रतिशत हो गया, जो 2013-14 में 4.5 प्रतिशत के स्तर पर था।

➡ मुख्य मांग/ अधिकतम मांग (Peak Demand) 2013-14 के 135918 से बढ़कर 2018-19 में 177022 मेगावॉट हो गई।

➡ ऊर्जा उपलब्धता, 2013-14 के 565.698 बीयू से बढ़कर अक्टूबर, 2018 में 764.627 बीयू (35.2% की वृद्धि के साथ) हो गई।

➡ भारत सरकार ने अक्षय ऊर्जा क्षमता लक्ष्य वर्ष 2022 तक 175 गीगावॉट तक बढ़ा दिया है जिसमें सौर से 100 गीगावॉट, पवन से 60 गीगावॉट, बायो ऊर्जा से 10 गीगावॉट और लघु पनबिजली से 5 गीगावॉट प्राप्त करना शामिल है।

➡ नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय नवीन और अक्षय ऊर्जा से संबंधित सभी मामलों के लिए संघीय स्तर पर नोडल मंत्रालय है।

➡ मंत्रालय द्वारा अक्षय विद्युत के दोहन, खाना पकाने, रोशनी और मोटिव विद्युत, शहरी, औद्योगिक और वाणिज्यिक अनुप्रयोगों में अक्षय ऊर्जा के उपयोग और वैकल्पिक ईंधनों एवं अनुप्रयोगों के विकास सहित विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों के कार्यान्वयन को बढ़ावा दिया जाता है।

➡ अक्षय ऊर्जा अवसंरचना

➡ प्रत्येक राज्य/संघ शासित क्षेत्र में अपने अक्षय ऊर्जा कार्यक्रमों के अलावा मंत्रालय के अक्षय ऊर्जा/ कार्यक्रमों योजनाओं के कार्यान्वयन के लिए नोडल एजेंसी/विभाग है।

➡ देश में अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में सहायता देने के लिए राष्ट्रीय सौर ऊर्जा संस्थान, राष्ट्रीय पवन ऊर्जा संस्थान, राष्ट्रीय जैव ऊर्जा संस्थान, भारतीय सौर ऊर्जा निगम और भारतीय अक्षय ऊर्जा एजेंसी की स्थापना की गई है।

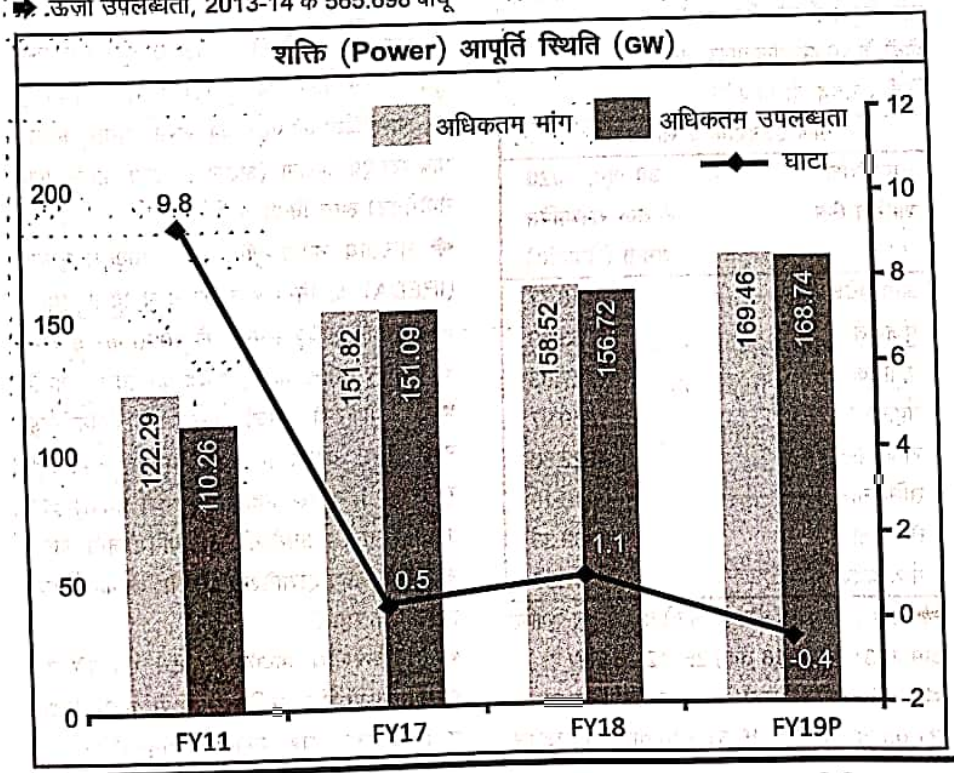

➡ अप्रैल, 2000 और मार्च, 2019 के बीच पॉवर सेक्टर ने 14.32 बिलियन डॉलर का FDI आकर्षित किया है, जो इस दौरान भारत में हुए कुल FDI का 3.41 प्रतिशत था।

➡ अक्टूबर, 2019 में जारी वर्ल्ड बैंक की ईज ऑफ डूइंग बिजनेस-'गेटिंग इलेक्ट्रिसिटी रैंकिंग' में भारत की रैंकिंग, 22 हो गई है। जो कि एक उपलब्धि है।

➡ सरकार द्वारा विदेशी निवेशकों को 100 प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के साथ अक्षय विद्युत परियोजनाओं की संस्थापना करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

➡ लोवी इंस्टीट्यूट 'एशिया पॉवर इंडेक्स 2019' में एशिया प्रशांत क्षेत्र के 25 देशों को पॉवर सेक्टर के विभिन्न पैमानों पर परखा जाता है। यह सूचकांक, पश्चिम में पाकिस्तान से लेकर उत्तर में रूस, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया एवं न्यूजीलैंड जैसे देशों तक को अपने अध्ययन में शामिल करता है। इस सूचकांक में भारत चौथे स्थान (अमेरिका, चीन व जापान के बाद) पर है।

➡ अक्षय ऊर्जा लक्ष्य

➡ सरकार द्वारा वर्ष 2022 तक अक्षय ऊर्जा की 175 गीगावॉट क्षमता का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें सौर ऊर्जा से 100 गीगावॉट, पवन ऊर्जा से 60 गीगावॉट, बायो ऊर्जा से 10 गीगावॉट और लघु पनबिजली से 5 गीगावॉट क्षमता शामिल है।

➡ राष्ट्रीय सौर मिशन (NSM) के अंतर्गत निर्धारित 100 गीगावॉट क्षमता के लक्ष्य में सैद्धांतिक रूप से 40 गीगावॉट रूफटॉप और 60 गीगावॉट वृहत एवं मध्यम स्तरीय ग्रिड-संबद्ध सौर विद्युत परियोजनाओं के माध्यम से प्राप्त करना शामिल है।

➡ आईएसए का फ्रेमवर्क करार 22 यूएनएफसीसी की 22वीं बैठक के साथ-साथ मराकेश, मोरक्को में 15 नवंबर, 2016 को हस्ताक्षर के लिए खोला गया।

➡ 28 दिसंबर, 2016 को मंत्रिमंडल के अनुमोदन से भारत आईएसए के संधि को समर्थित करने वाला पहला देश बन गया।

➡ कौशल विकास

➡ सूर्य मित्र योजना मार्च, 2020 तक 50,000 प्रशिक्षित सौर फोटोवोल्टेइक तकनीशियनों को तैयार करने के लिए आरंभ की गई है।

➡ सूर्य मित्र योजना को कार्यान्वित करने के लिए संपूर्ण देश में स्थापित 200 से अधिक संस्थानों के नेटवर्क का निर्माण किया गया है।

➡ अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन

➡ पेरिस में 30 नवंबर, 2015 को CoP-21 में कर्क रेखा और मकर रेखा के बीच पूर्णतः अथवा आंशिक रूप से स्थित 121 सौर ऊर्जा संसाधन की प्रचुरता वाले देशों के बीच सौर ऊर्जा के विकास और दोहन के लिए पारस्परिक सहयोग हेतु एक विशेष मंच के रूप में अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन की शुरुआत की गई, जिसका मुख्यालय भारत में है।

➡ आईएसए के मुख्यालय का 25 जनवरी, 2016 को शिलान्यास गुरुग्राम, हरियाणा (भारत) में किया गया और इसके अंतरिम सचिवालय का उद्घाटन किया गया।

➡ आईएसए के फ्रेमवर्क समझौते पर भारत, फ्रांस, ब्राजील और अन्य सहित 20 सदस्य देशों ने CoP-22 के आयोजन के साथ-साथ 15 नवंबर, 2016 को मराकेश, मोरक्को में CoP-22 हस्ताक्षर किए।

स्थापित राज्य-वार ग्रिड इंटरएक्टिव पवन ऊर्जा क्षमता शीर्ष 9 राज्य (मेगावॉट) (30 जून, 2020 तक)	
राज्य	स्थापित पवन ऊर्जा क्षमता (मेगावॉट)
तमिलनाडु	9304.34
गुजरात	7623.12
कर्नाटक	4794.80
केरल	62.50
मध्य प्रदेश	2519.89
महाराष्ट्र	5000.33
राजस्थान	4299.72
आंध्र प्रदेश	4092.45
तेलंगाना	128.10
अन्य	4.30
कुल	37829.55

➡ प्रोत्साहन संबंधी नीतियां

➡ देश में पवन ऊर्जा को प्रोत्साहन देने के लिए प्रोत्साहन पैकेज दिया जा रहा है, जिसमें वित्तीय छूट शामिल है जैसे- विशिष्ट महत्वपूर्ण घटकों के लिए रियायती सीमा शुल्क, विशेष अतिरिक्त प्रभार छूट, ऊर्जा उत्पादन के लिए लाभ पर 10 वर्षों के लिए आयकर छूट।

➡ राष्ट्रीय सौर मिशन

➡ भारत को प्रचुर मात्रा में सौर ऊर्जा मिलती है।

➡ देश के ज्यादातर हिस्से में लगभग 300 दिवसों में आसमान में सूर्य चमकता रहता है।

➡ भारत की धरती को औसतन 4-7 किलोवॉट घंटा प्रतिदिन सौर विकिरण प्राप्त होती है।

➡ जवाहरलाल नेहरू राष्ट्रीय सौर मिशन को 11 जनवरी, 2010 को लांच किया गया था।

➡ मिशन के लक्ष्यों में निम्न शामिल हैं, (i) वर्ष 2022 तक 20,000 मेगावॉट ग्रिड संबद्ध सौर ऊर्जा का परिनियोजन, (ii) 20 मिलियन वर्ग मीटर सौर तापीय ऊर्जा संग्राहक क्षेत्र, (iii) देश में सौर-ऊर्जा निर्माण क्षमता का विकास करने हेतु अनुकूल स्थितियों का निर्माण करना और (iv) वर्ष 2022 तक ग्रिड अनुरूपता प्राप्त करने हेतु आरएंडडी (अनुसंधान एवं विकास) तथा क्षमता निर्माण गतिविधियों का समर्थन करना।

➡ मिशन को तीन चरणों में क्रियान्वित किया जाएगा।

➡ नवीन तथा नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) ने अटल ज्योति योजना का प्रवर्तन किया है, जो स्वयं में अद्वितीय है।

➡ कार्यक्रम के तहत सौर एलईडी स्ट्रीट लाइटों की स्थापना से मुख्य सड़कों, बाजारों, सार्वजनिक सुविधा वाले स्थानों आदि पर सुदूर क्षेत्रों में विस्तृत रूप से रोशनी की सुविधा सुनिश्चित होगी।

➡ फरवरी, 2019 में 'प्रधानमंत्री जी-वन योजना' को मंत्रिमंडल द्वारा मंजूरी प्रदान की गई। जी-वन (जैव ईंधन वातावरण अनुकूल फसल अवशेष निवारण) योजना के लिए 2018-19 से 2023-24 की अवधि में कुल 1969.50 करोड़ रुपये के वित्तीय परिव्यय को मंजूरी दी गई है।

➡ योजना के तहत वाणिज्यिक स्तर पर 12 परियोजनाओं को और प्रदर्शन के स्तर पर दूसरी पीढ़ी के 10 इथेनॉल परियोजनाओं को दो चरणों में वित्तीय मदद दी जाएगी।

ग्रिड इंटरएक्टिव सौर ऊर्जा	
राज्य/संघ शासित क्षेत्र	30 जून, 2020 तक संस्थापित क्षमता (मेगावॉट)
आंध्र प्रदेश	3618.77
गुजरात	3053.69
कर्नाटक	7277.93
महाराष्ट्र	1869.97
राजस्थान	5222.86
तमिलनाडु	3918.10
तेलंगाना	3689.36
मध्य प्रदेश	2311.80

➡ ग्रिड इंटरएक्टिव सौर ऊर्जा की देश में कुल स्थापित क्षमता (31.12.2018 तक) 25212.26 MW है।

➡ नवीकरणीय ऊर्जा की कुल स्थापित क्षमता 31.03.2014 को 35.51 गीगावॉट से बढ़कर 31.10.2.18 को 73.35 गीगावॉट हो गई (पिछले साढ़े चार वर्षों के दौरान लगभग 106% की वृद्धि)।

➡ पिछले साढ़े चार वर्षों (2014-15 से 2018-19) के दौरान ग्रिड से जुड़ी 37.84 गीगावॉट से अधिक की क्षमता हासिल की गई जिसमें 21.7 गीगावॉट सौर ऊर्जा, 13.98 गीगावॉट पवन ऊर्जा, 0.7 गीगावॉट छोटी पनबिजली और बायो-पॉवर से 1.5 गीगावॉट क्षमता शामिल है।

➡ पवन ऊर्जा की स्थापित क्षमता के संदर्भ में भारत वैश्विक स्तर पर चौथे स्थान पर है।

➡ राष्ट्रीय सौर मिशन के तहत वर्ष 2021-22 तक सौर क्षमता स्थापित करने का लक्ष्य 20 गीगावॉट से बढ़ाकर 100 गीगावॉट कर दिया गया है।

➡ 'सौर पार्क एवं अल्ट्रा मेगा सौर ऊर्जा परियोजना विकास' योजना की क्षमता 20,000 मेगावॉट से बढ़ाकर 40,000 मेगावॉट कर दी गई है।

➡ नवंबर, 2018 तक देश के 21 राज्यों में 26694 मेगावॉट की कुल क्षमता के 47 सौर पार्कों को मंजूरी दी गई है।

➡ एकल स्थान पर प्रारंभ 1000 मेगावॉट क्षमता का कुर्नूल सौर पार्क, आंध्र प्रदेश विश्व के सबसे बड़े सौर पार्क के रूप में उभरा है।

➡ राजस्थान में 650 मेगावॉट क्षमता का भादला चरण-II सौर पार्क एवं मध्य प्रदेश में 250 मेगावॉट क्षमता का नीमच मंदसौर सौर पार्क चरण-I की शुरुआत हुई।

➡ प्रशिक्षित तकनीकी श्रमबल के सृजन के लिए सूर्य मित्र कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया है।

➡ लाभार्थियों की पहुंच को आसान बनाने के लिए मोबाइल ऐप 'अरुण' (अटल रूफटॉप सोलर यूजर नेवीगेटर) लांच किया गया।

➡ भारतीय नवीकरणीय ऊर्जा विकास एजेंसी (IREDA) को मिनी रत्न का दर्जा दिया गया है और इसकी अधिकृत पूंजी को 1000 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 6000 करोड़ रुपये कर दिया गया है।

➡ 8 नवीकरणीय ऊर्जा संपन्न राज्यों (तमिलनाडु, राजस्थान, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, हिमाचल प्रदेश एवं मध्य प्रदेश) द्वारा 10141 करोड़ रुपये की कुल परियोजना लागत से 'अंतर-राज्य ट्रांसमिशन प्रणाली' का कार्यान्वयन किया जा रहा है।

➡ नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन एवं वितरण परियोजनाओं में स्वचालित मार्ग से 100 प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) की अनुमति है।

पर्यटन क्षेत्र

- पर्यटन, भारत सहित अनेक देशों में आर्थिक विकास का एक प्रमुख साधन और विदेशी मुद्रा आय का एक महत्वपूर्ण स्रोत है।
- पर्यटन मंत्रालय का प्रमुख उद्देश्य भारत में पर्यटन को बढ़ाना और सुगम बनाना है।
- वर्ष 2019 के दौरान विदेशी पर्यटक आगमन 10.89 मिलियन (अनंतिम) रहा, जो पिछले वर्ष की तुलना में 3.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।
- वर्ष 2019 की अवधि के दौरान विदेशी मुद्रा आय पिछले वर्ष की तुलना में 8.3 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 210981 करोड़ रुपये (अनंतिम अनुमान) रही।
- दिसंबर, 2019 की स्थिति के अनुसार, 5 उप-श्रेणियों, जैसे 'ई-पर्यटक वीजा', 'ई-व्यापार वीजा', 'ई-चिकित्सा वीजा', 'ई-चिकित्सा सहायक वीजा' और 'ई-सम्मेलन वीजा', के अंतर्गत 169 देशों के नागरिकों को ई-वीजा सुविधा प्रदान की गई है।
- एक वर्ष के लिए मौजूदा ई-पर्यटक वीजा के अतिरिक्त 5 वर्षों के लिए बहु-प्रवेश वाले ई-पर्यटक वीजा की एक नई श्रेणी जोड़ी गई है।
- एक नई श्रेणी का ई-पर्यटक वीजा शुरू किया गया है, जो दो बार प्रवेश हेतु एक माह के लिए वैध है।
- वर्ष 2019 के दौरान, ई-पर्यटक वीजा पर कुल 2.93 मिलियन विदेशी पर्यटक आए, जो पिछले वर्ष की तुलना में 23.6 प्रतिशत की संवृद्धि दर्शाता है।
- स्वदेश दर्शन योजना के तहत विकास के लिए पंद्रह विषयगत परिपथों की पहचान की गई है, नामतः पूर्वोत्तर भारत परिपथ, बौद्ध परिपथ, हिमालयन परिपथ, तटीय परिपथ, कृष्णा परिपथ, मरुस्थल परिपथ, जनजातीय परिपथ, पारिस्थितिकी परिपथ, वन्यजीव परिपथ, ग्रामीण परिपथ, आध्यात्मिक परिपथ, रामायण परिपथ, विरासत परिपथ, तीर्थंकर परिपथ और सूफी परिपथ।
- प्रसाद योजना (PRASHAD Scheme) के तहत, वर्तमान में विकास हेतु 28 राज्यों में 51 शहरों की पहचान की गई है।

पर्यटन से संबंधित महत्वपूर्ण तथ्य, 2018

(i) भारत	
भारत में विदेशी पर्यटकों के आगमन की संख्या	10.56 मिलियन (अ)
वार्षिक वृद्धि दर	5.2%
विदेश जाने वाले भारतीय नागरिकों की संख्या	26.30 मिलियन (अ)
वार्षिक वृद्धि दर	9.8%
सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में घरेलू पर्यटकों की संख्या	1854.9 मिलियन (सं.)
वार्षिक वृद्धि दर	11.9%
पर्यटन से विदेशी मुद्रा आय	
(i) भारतीय मुद्रा में	194892 करोड़ रुपये (#2)
वार्षिक वृद्धि दर	9.6%
(ii) अमेरिकी डॉलर में	28.585 बिलियन अमेरिकी डॉलर (#2)
वार्षिक वृद्धि दर	4.7%
(ii) विश्व	
अंतरराष्ट्रीय पर्यटक आगमन की संख्या	1403 मिलियन (अ)
वार्षिक वृद्धि दर	5.6%
अंतरराष्ट्रीय पर्यटन प्राप्तियां	1448 बिलियन अमेरिकी डॉलर (अ)
वार्षिक वृद्धि दर	7.6%
(iii) एशिया एवं पैसिफिक क्षेत्र	
अंतरराष्ट्रीय पर्यटक आगमन की संख्या	345.1 मिलियन (अ)
वार्षिक वृद्धि दर	6.5%
अंतरराष्ट्रीय पर्यटन प्राप्तियां	432.9 बिलियन अमेरिकी डॉलर (अ)
वार्षिक वृद्धि दर	9.3%
(iv) विश्व में भारत की स्थिति	
अंतरराष्ट्रीय पर्यटक आगमन में भारत का हिस्सा	1.24%
अंतरराष्ट्रीय पर्यटक आगमन में भारत का स्थान	25वां
अंतरराष्ट्रीय पर्यटन प्राप्तियों में भारत का हिस्सा (अमेरिकी डॉलर में)	1.97%
अंतरराष्ट्रीय पर्यटन प्राप्तियों में भारत का स्थान	13वां
(v) एशिया एवं पैसिफिक क्षेत्र में भारत की स्थिति	
अंतरराष्ट्रीय पर्यटक आगमन में भारत का हिस्सा	5.05%
अंतरराष्ट्रीय पर्यटक आगमन में भारत का स्थान	7वां
अंतरराष्ट्रीय पर्यटन प्राप्तियों में भारत का हिस्सा (अमेरिकी डॉलर में)	6.60%
अंतरराष्ट्रीय पर्यटन प्राप्तियों में भारत का स्थान	7वां

अ: अनंतिम, #2 : संशोधित अनुमान (आप्रवासन ब्यूरो से प्राप्त अंतिम विदेशी पर्यटक आगमन पर आधारित) सं : संशोधित

- वर्ष 2018-19 की बजट घोषणाओं के अनुसरण में, पर्यटन मंत्रालय ने प्रतिष्ठित पर्यटन स्थल विकास परियोजना के तहत विकास के लिए देश के 17 प्रतिष्ठित स्थलों की पहचान की है। ये स्थल हैं– ताजमहल (उत्तर प्रदेश), फतेहपुर सीकरी (उत्तर प्रदेश), अजंता (महाराष्ट्र), एलोरा (महाराष्ट्र), हुमायूं का मकबरा (दिल्ली), कुतुबमीनार (दिल्ली), लाल किला (दिल्ली), कोलवा समुद्र तट (गोवा), अजमेर फोर्ट (राजस्थान), सोमनाथ (गुजरात), धोलावीरा

2018 (अ) में भारत में विदेशी पर्यटक आगमन (एफटीए) हेतु शीर्ष 10 स्रोत देश			
क्र.सं.	स्रोत देश	विदेशी पर्यटक आगमन	प्रतिशत (%) हिस्सा
(1)	बांग्लादेश	2256675	21.37
(2)	संयुक्त राज्य अमेरिका	1456678	13.80
(3)	यूनाइटेड किंगडम	1029758	9.75
(4)	श्रीलंका	353684	3.35
(5)	कनाडा	351040	3.32
(6)	ऑस्ट्रेलिया	346486	3.28
(7)	मलेशिया	319172	3.02
(8)	चीन	281768	2.67
(9)	जर्मनी	274087	2.60
(10)	रूसी संघ	262309	2.48
	कुल शीर्ष 10 देश	6931657	65.65
	अन्य	3626272	34.35
	कुल जोड़	10557929	100.00

स्रोत : अप्रवासन ब्यूरो, भारत सरकार- अ : अनंतिम

कुल प्रजनन दर का वार्षिक अनुमान 2017				
क्र.सं.	भारत राज्य/संघ शासित क्षेत्र	ग्रामीण	शहरी	कुल
(1)	आंध्र प्रदेश	1.7	1.5	1.6
(2)	असम	2.4	1.6	2.3
(3)	बिहार	3.3	2.4	3.2
(4)	छत्तीसगढ़	2.6	1.8	2.4
(5)	दिल्ली	1.6	1.5	1.5
(6)	गुजरात	2.4	1.8	2.2
(7)	हरियाणा	2.4	1.9	2.2
(8)	हिमाचल प्रदेश	1.7	1.1	1.6
(9)	जम्मू-कश्मीर	1.8	1.2	1.6
(10)	झारखंड	2.7	1.9	2.5
(11)	कर्नाटक	1.8	1.6	1.7
(12)	केरल	1.7	1.7	1.7
(13)	मध्य प्रदेश	3.0	2.1	2.7
(14)	महाराष्ट्र	1.8	1.5	1.7
(15)	ओडिशा	2.0	1.3	1.9
(16)	पंजाब	1.7	1.5	1.6
(17)	राजस्थान	2.7	2.2	2.6
(18)	तमिलनाडु	1.6	1.6	1.6
(19)	उत्तर प्रदेश	3.2	2.4	3.0
(20)	प. बंगाल	1.7	1.3	1.6
(21)	तेलंगाना	1.7	1.6	1.7
(22)	उत्तराखंड	1.9	1.8	1.9
	भारत	2.4	1.7	2.2

स्रोत : एसआरएस सांख्यिकी रिपोर्ट, 2017

(गुजरात), खजुराहो (मध्य प्रदेश), हम्पी (कर्नाटक), महाबलिपुरम (तमिलनाडु), काजीरंगा (असम), कुमाराकोम (केरल) तथा महाबोधि मंदिर (बिहार)।

- इसके विभिन्न उद्देश्य इस प्रकार हैं - चयनित प्रतिष्ठित स्थलों का वैश्विक मानक के अनुरूप समग्र विकास, सुदृढ प्रचालन और रख-रखाव योजना, प्रतिष्ठित स्थलों का प्रचार और संवर्धन, सामुदायिक प्रतिभागिता के माध्यम से रोजगार सृजन, इत्यादि।
- पर्यटन मंत्रालय ने पर्यटन में 'मौसमी' चुनौती से निबटने और भारत को 365 दिवस गंतव्य' के रूप में संवर्द्धन करने के लिए देश के आला पर्यटन उत्पादों जैसे क्रूज, रोमांचक क्रीड़ा, चिकित्सा, कल्याण, गोल्फ, पोलो, बैठक प्रोत्साहन सम्मेलन और प्रदर्शनियों (एमआईसीई), पारिस्थितिकी-पर्यटन, फिल्म पर्यटन, संधारणीय पर्यटन आदि की पहचान, विविधीकरण, विकास और संवर्धन करने की पहल की है।
- सरकार ने अब ई-वीजा के साथ आने वाले क्रूज पर्यटकों को बायो-मीट्रिक नामांकन की आवश्यकता से छूट दी है।
- ई-वीजा प्राप्त करने वाले पर्यटकों के लिए प्रवेश बंदरगाह मुंबई, कोचीन, मोरमुगाओं, चेन्नई और न्यू मंगलौर हैं।
- पर्यटन मंत्रालय ने घरेलू और विदेशी पर्यटकों को भारत में यात्रा से संबंधित सूचना प्रदान कर और संरक्षा तथा सुरक्षा की भावना पैदा कर सुविधा और सहायता प्रदान करने के लिए, फरवरी, 2016 में हिंदी और अंग्रेजी सहित 12 भाषाओं (अंग्रेजी और हिंदी के अलावा दस अंतरराष्ट्रीय भाषाएं, हैं- अरबी, फ्रेंच, जर्मन, इटालियन, जापानीज, कोरियन, चीनी, पुर्तगाली, रूसी और स्पेनिश) में टोल फ्री नंबर 1800111363/संक्षिप्त कोड 1363 पर 24 × 7 बहु भाषी टोल फ्री पर्यटक इंफो-हेल्पलाइन शुरू की है।
- ई वीजा 28 निर्दिष्ट हवाई अड्डों और 5 निर्दिष्ट बंदरगाहों के माध्यम से प्रवेश के लिए वैध है।